साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 104 | जौनपुर, बुधवार, 04 दिसम्बर 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

जम्मू-कश्मीर में लश्कर का आतंकवादी मारा गया

जम्मू–कश्मीर के दाचीग्राम इलाके में मंगलवार को मुठभेड़ में लश्कर–ए–तैयबा (स्मज) से जुड़ा एक आतंकवादी मारा गया। कश्मीर पुलिस ने एक बयान में कहा कि स्थानीय लश्कर कमांडर जुनैद अहमद भट के रूप में पहचाने जाने वाले आतंकवादी ने गगनगीर, गंदेरबल और कई अन्य आतंकी हमलों में नागरिकों की हत्या की थी। जम्मू–कश्मीर पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (ब्त्ब्) की एक संयुक्त टीम द्वारा इलाके में एक गैर–स्थानीय समूह की मौजूदगी का सुझाव देने वाली खुफिया सूचनाओं के आधार पर तलाशी अभियान शुरू करने के बाद सोमवार शाम को दाचीग्राम में मुठभेड़ शुरू हुई। सूत्रों के अनुसार, ऑपरेशन जारी रहने के दौरान शुरू में दो आतंकवादियों के इलाके में फंसे होने का अनुमान था। यह ताजा मुठभेड़ कश्मीर घाटी में सुरक्षा संबंधी घटनाओं की एक श्रृंखला के बीच हुई है। गंदेरबल में एक सुरंग निर्माण स्थल पर 20 अक्टूबर को हुए हमले के कुछ ही दिनों बाद भट को सीसीटीवी में कैद किया गया था, जिसमें एक डॉक्टर और छह प्रवासी श्रमिक मारे गए थे। हमले के कुछ ही दिनों बाद सीसीटीवी फुटेज सामने आई, जिसमें भट को एक मजदूर शिविर में घुसते हुए दिखाया गया, जहां सुरंग परियोजना पर काम करने वाले मजदूर और अन्य कर्मचारी रहते थे। कुलगाम निवासी भट को तस्वीर में काले कपड़े पहने और ग्रे शॉल ओढ़े हुए तथा राइफल लिए हुए देखा जा सकता है।

पुरातत्व विभाग ने मांगा संभल जामा मस्जिद का नियंत्रण

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के जिला संभल की एक स्थानीय कोर्ट द्वारा जिला की जामा मस्जिद का सर्वे कराये जाने का आदेश देने के बाद सर्वे टीम के साथ अभद्रता और भड़की हिंसा के बाद भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने अदालत में अपना जवाब दाखिल कर दिया है। इसमें मुगलकालीन मस्जिद का नियंत्रण और प्रबंधन मांगा गया है। अदालत से कहा है कि यह एक संरक्षित विरासत संरचना है। बता दें कि इससे पहले अदालत शाही जामा मस्जिद के सर्वे की अनुमति दे चुकी थी। एएसआई का प्रतिनिधित्व करते हुए वकील विष्णु शर्मा ने कहा कि एजेंसी ने शुक्रवार को अदालत में अपना प्रतिवाद प्रस्तुत किया. इसमें कहा गया कि सर्वे के दौरान टीम को मस्जिद प्रबंधन समिति और स्थानीय लोगों के विरोध का सामना करना पड़ा था। एएसआई ने 19 जनवरी 2018 की एक घटना का भी जिक्र किया है. उस समय मस्जिद प्रबंधन समिति के खिलाफ अनुमति के बिना मस्जिद की सीढ़ियों पर स्टील की रेलिंग लगाने के लिए एफआईआर दर्ज की गई थी। विष्णु शर्मा ने कहा कि 1920 में एएसआई ने इस स्मारक को संरक्षित अधिसूचित किया था, । तब से ही मस्जिद एजेंसी के अधिकार क्षेत्र में है। इस प्रकार, संरचना तक जनता की पहुंच की अनुमति दी जानी चाहिए. लेकिन एएसआई नियमों का पालन भी जरूरी है।

दिव्यांगजनों ने साबित किया -हम किसी से कम नहीं, पुरस्कार देकर किया सम्मानित : सीएम योगी

लखनऊ,(एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री ने दिव्यांग शब्द और भावनाओं को सम्मान देकर उन्हें गरिमामयी पूर्ण तरीके से जीवन व हर क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान की है। दिव्यांगजनों को जब भी अवसर मिला तो अपनी प्रतिभा से उन्होंने इस शब्द की पुष्टि की। सीएम योगी ने ऋषि अष्टावक्र, महाकवि सूरदास, भौतिक विज्ञानी स्टीफन हॉकिंग, जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य समेत अनेक उदाहरण दिए। कहा कि जिन्हें भी मंच व समाज का प्रोत्साहन–संबल मिला तो उन्होंने देश–दुनिया व मानवता को अपनी प्रतिभा का लाभ दिया और यह साबित किया कि वे किसी से कम नहीं हैं। विश्व दिव्यांग दिवस इसी दृष्टिकोण को अपनाने के लिए समाज को नई प्रेरणा प्रदान करने का माध्यम है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विश्व दिव्यांग दिवस पर मंगलवार को लोकभवन में राज्य स्तरीय पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित किया। राजकीय स्पर्श बालिका विद्यालय मोहान रोड की छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। सीएम ने बच्चों की प्रस्तुति की सराहना की। सीएम ने प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की जयंती (राष्ट्रीय अधिवक्ता दिवस) की भी शुभकामना दी। उन्होंने कहा कि सरकार समाज के हर तबके के लिए कार्य करते हुए पीएम मोदी के विजन श्सबका साथ, सबका विकासश के मंत्र के साथ बढ़ रही है। सीएम योगी ने कहा कि राज्य के अंदर दो–दो दिव्यांग विश्वविद्यालय (लखनऊ में डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय व चित्रकूट में जगद्गुरु रामभद्राचार्य विश्वविद्यालय) है। अलग–अलग क्षेत्रों में दृष्टिबाधित, मूकबधिर व अन्य बच्चों के लिए भी कॉलेज संचालित हैं, लेकिन इनकी संख्या बढ़ाने की आवश्यकता है। इसमें प्रशिक्षित शिक्षक हों, उन्हें अच्छा मानदेय, सुविधाएं, प्रशिक्षण मिले और तकनीक से सक्षम बनाया जाए। इस पर और कार्य करने की आवश्यकता है। सीएम योगी ने कहा कि कार्य करने की इच्छाशक्ति होनी चाहिए, फंड बाधा नहीं है। यदि चुपचाप तैयारी करेंगे तो रिजल्ट प्रतिभा को प्रदर्शित कर देगा। सीएम ने बताया कि 2017 में प्रदेश में केवल 7–8 लाख दिव्यांगजनों को पेंशन मिलती थी, वह भी महज 300–300 रुपये। यह राशि छह महीने में आती थी तो आधा पैसा बाबू खा जाता था, लेकिन हम लोग सीधे लाभार्थी के खाते में धनराशि भेजते हैं। हमने यह राशि 300 रुपये से बढ़ाकर एक हजार रुपये की। अब 11 लाख दिव्यांगजन 12 हजार रुपये वार्षिक पेंशन का लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

कानूनी जटिलताओं का फायदा नहीं उठा पाएंगे आतंकी : पीएम

चंडीगढ़,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीन नए आपराधिक कानूनों के सफल कार्यान्वयन को राष्ट्र को समर्पित किया। इस दौरान मोदी ने कहा कि देश में संविधान निर्माण के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर संवैधानिक मूल्यों पर आधारित भारतीय न्याय संहिता का आरंभ होना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि नए आपराधिक कानून सभी नागरिकों के लाभ के लिए संविधान में निहित आदर्शों को साकार करने की दिशा में ठोस कदम को दर्शाते हैं। मोदी ने कहा कि नए कानूनों के तहत आतंकवादी और आतंकी संगठन कानूनी जटिलताओं का कोई फायदा नहीं उठा पाएंगे। नए आपराधिक कानून नागरिकों के अधिकारों के रक्षक बन रहे हैं। की भावना से प्रेरित श्भारतीय न्याय संहिताश के प्रभाव का प्रारंभ होना, बहुत बड़ी बात है। देश के नागरिकों के लिए हमारे संविधान ने जिन आदर्शों की कल्पना की थी, उन्हें पूरा करने की दिशा में ये ठोस प्रयास है। उन्होंने कहा कि आजादी के सात दशकों में न्याय व्यवस्था के सामने जो चुनौतियां आईं, उन पर गहन मंथन किया गया। हर कानून का व्यवहारिक पक्ष देखा गया, भविष्यवादी पैरामीटर पर उसे कसा गया, तब भारतीय न्याय संहिता इस स्वरूप में हमारे सामने आई है। मैं इसके लिए सुप्रीम कोर्ट का, माननीय न्यायाधीशों का, देश की सभी हाई कोर्ट का विशेष आभार व्यक्त करता हूं। प्रधानमंत्री ने कहा कि 1947 में, सदियों की गुलामी के बाद जब हमारा देश आजाद हुआ, पीढ़ियों के इंतजार के बाद, लोगों के बलिदानों के बाद, जब आजादी की सुबह आई, तब कैसे–कैसे सपने थे, देश में कैसा उत्साह था।

राहुल गांधी को नहीं मिलेगी संभल में एंट्री, पुलिस कमिश्नर ने दी हिदायत

अपवसमदबम,(एजेंसी)। संभल में राहुल गांधी की एंट्री को बैन कर दिया गया है। दरअसल, शाही जामा मस्जिद मामले को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी संभल में दौरा करने वाले हैं लेकिन इससे पहले ही प्रशासन अलर्ट हो गया है। मुरादाबाद कमिश्नर ने कहा कि संभल के हालात को देखते हुए किसी भी बाहरी व्यक्ति को जिले में आने की अनुमति नहीं दी जाएगी। जिले में डीएम द्वारा लगाए गए प्रतिबंध को लागू किया गया है। ऐसे में अगर राहुल गांधी प्रवेश करने की कोशिश करेंगे तो कानून के अनुसार उन्हें रोकने के लिए सभी कोशिशें की जाएंगी। गौरतलब है कि बीते दिनों यूपी के संभल जिले में शाही जामा मस्जिद सर्वे पर सवाल उठ रहे हैं। सर्वे को लेकर जिले में हिंसक माहौल है और 4 लोगों के मौत की खबर भी सामने आई है। इसके अलावा कई पुलिसवालों के घायल होने की खबरें भी मिल रही हैं। पुलिस जिले में बवाल और तोड़फोड़ करने वालेउपद्रवियों को ढूंढ रही है। इसी बीच, राहुल गांधी ने 4 दिसंबर को संभल दौरे का ऐलान किया है। हालांकि जिले में कांग्रेस और सपा नेताओं के प्रवेश पर रोक लगाई गई है। राहुल गांधी के दौरे को देखते हुए पुलिस प्रशासन सतर्क हो गया है। मुरादाबाद कमिश्नर ने कहा कि जिले में लगे प्रतिबंध सभी पर लागू होंगे, राहुल गांधी पर भी। उन्होंने कहा कि हम किसी को रोकना नहीं चाहते ।

संभल हिंसा सोची-समझी साजिश के तहत हुई, जिम्मेदार अधिकारियों पर हत्या का मुकदमा चले : अखिलेश

नयी दिल्ली। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश के संभल में पिछले दिनों हुई हिंसा को 'सोची–समझी साजिश' करार देते हुए मंगलवार को लोकसभा में मांग की कि घटना के लिए जिम्मेदार पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को निलंबित किया जाए और उन पर हत्या का मुकदमा चलाया जाए। कन्नौज से सपा सांसद अखिलेश यादव ने निचले सदन में शून्यकाल में इस विषय को उठाते हुए कहा, ''संभल में पिछले दिनों अचानक हुई हिंसा की घटना को सोची–समझी साजिश के तहत अंजाम दिया गया। संभल में सालों से लोग भाईचारे से रहते आए हैं। इस घटना से इस भाईचारे को 'गोली मारने' का काम किया गया।'' उन्होंने संभल की शाही जामा मस्जिद में सर्वे का जिक्र करते हुए इस तरह की घटनाओं के लिए सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधा। यादव ने कहा, ''देश के कोने–कोने में भाजपा और उसके सहयोगी, समर्थक और शुभचिंतक बार–बार 'खुदाई' की बात करते हैं जिससे देश का सौहार्द, भाईचारा और गंगा–जमुनी तहजीब खो जाएगी।'' उन्होंने दावा किया कि एक बार स्थानीय अदालत के आदेश पर संभल की शाही जामा मस्जिद के अंदर सर्वे का काम पूरा कर चुके अधिकारी कुछ दिन बाद दोबारा सर्वे के लिए पहुंच गए और उनके पास अदालत का कोई आदेश नहीं था। यादव ने आरोप लगाया कि इस दौरान सूचना मिलने पर मस्जिद पहुंच गए स्थानीय लोगों ने जब कार्रवाई का कारण जानना चाहा तो पुलिस क्षेत्राधिकारी ने बदसलूकी की और नाराज होकर कुछ लोगों ने पथराव कर दिया जिसके बाद पुलिस गोलीबारी में पांच मासूम मारे गए। उन्होंने कहा, ''संभल का माहौल बिगाड़ने में सर्वे की याचिका दायर करने वाले लोगों के साथ–साथ पुलिस प्रशासन के लोग जिम्मेदार हैं। जिम्मेदार अधिकारियों को निलंबित किया जाना चाहिए ।

गृहमंत्री यदि दिल्ली की कानून व्यवस्था नहीं संभाल सकते तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए : केजरीवाल

नयी दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने भाजपा व केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर निशाना साधा और कहा कि यदि वह (शाह) राष्ट्रीय राजधानी में 'अराजक' कानून–व्यवस्था की स्थिति को नहीं संभाल सकते तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि हर तरफ अराजकता का माहौल है और बढ़ते अपराधों के कारण लोग घरों से बाहर निकलने से डर रहे हैं। पीतमपुरा झुग्गी बस्ती में घर के बाहर चाकू घोंपकर मार दिये गये युवक के परिजनों से मुलाकात के बाद केजरीवाल ने ये आरोप लगाये। केजरीवाल ने कहा, '' इस इलाके में दो युवकों पर सात से आठ स्थानीय लड़कों ने हमला किया। मनीष को कई बार चाकू घोंपा गया और मुझे बताया गया कि उसकी मौत इसलिए हुई क्योंकि उसे समय पर अस्पताल नहीं ले जाया जा सका। दूसरे पीड़ित हिमांशु को बचा लिया गया। पुलिस ने गवाह के तौर पर उसका बयान दर्ज नहीं किया है।'' दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल ने कहा, '' यदि अमित शाह दिल्ली में कानून व्यवस्था संभालने में असमर्थ हैं और उन्हें बस देशभर की राजनीतिक यात्राएं करने से ही मतलब है तो उन्हें इस्तीफा दे देना चाहिए।'' उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस पीड़ितों को धमकी दे रही है एवं आरोपियों के विरूद्ध कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। केंद्रीय गृहमंत्रालय के अंतर्गत आने वाली दिल्ली पुलिस की ओर से फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं आयी है। केजरीवाल ने कहा कि आप लोगों को एकजुट करेगी तथा भाजपा नीत केंद्र सरकार को शहर में लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए 'बाध्य' करेगी। आप सुप्रीमो ने आरोप लगाया कि दिल्ली में मादक पदार्थ से जुड़े अपराध, चेन झपटमारी और इस तरह के अन्य जुर्म बड़े पैमाने पर हो रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि उन्हें बड़ी संख्या में फोन कॉल आ रहे हैं, जिनमें उनसे अपने क्षेत्रों का दौरा करने का अनुरोध किया जा रहा है और वह वहां जाएंगे ।

जिन्हें भी समाज का संबल मिला, उन्होंने देश–दुनिया को अपनी प्रतिभा का लाभ दिया: योगी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिव्यांगजनों की सराहना करते हुए कहा कि जिन्हें भीसमाज का प्रोत्साहन–संबल मिला, उन्होंने देश–दुनिया एवं मानवता को अपनी प्रतिभा का लाभ दिया और यह साबित किया कि वे किसी से कम नहीं हैं। मुख्यमंत्री ने विश्व दिव्यांग दिवस पर यहां लोकभवन में राज्य स्तरीय पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने दिव्यांग शब्द और भावनाओं को सम्मान देकर उन्हें गरिमामय तरीके से जीवन एवं हर क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान की। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों को जब भी अवसर मिला तो अपनी प्रतिभा से उन्होंने इस शब्द को साबित किया। योगी ने ऋषि अष्टावक्र, महाकवि सूरदास, भौतिक विज्ञानी स्टीफन हॉकिंग, जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य समेत अनेक उदाहरण दिए। मुख्यमंत्री ने महापुरुषों की चर्चा करते हुए कहा,'' जिन्हें भी मंच एवं समाज का प्रोत्साहन–संबल मिला, उन्होंने देश–दुनिया एवं मानवता को अपनी प्रतिभा का लाभ दिया और यह साबित किया कि वे किसी से कम नहीं हैं।'' योगी ने प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद की जयंती (राष्ट्रीय अधिवक्ता दिवस) की भी शुभकामना दी। उन्होंने कहा कि सरकार समाज के हर तबके के लिए कार्य करते हुए प्रधानमंत्री मोदी के दृष्टिकोण सबका साथ, सबका विकास के मंत्र के साथ बढ़ रही है। योगी ने कहा कि राज्य के अंदर दो–दो दिव्यांग विश्वविद्यालय (लखनऊ में डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय एवं चित्रकूट में जगद्गुरु रामभद्राचार्य विश्वविद्यालय) हैं। उनका कहना था कि दृष्टिबाधित, मूक बधिर एवं अन्य दिव्यांग बच्चों के लिए कॉलेज हैं, लेकिन इनकी संख्या बढ़ाने की आवश्यकता है तथा उनमें प्रशिक्षित शिक्षक हों, उन्हें अच्छा मानदेय, सुविधाएं, प्रशिक्षण मिले और तकनीक से सक्षम बनाया जाए–इस पर और कार्य करने की आवश्यकता है। योगी ने 2017 में केवल सात–आठ लाख दिव्यांगजनों को पेंशन मिलने और वह भी महज 300–300 रुपये मिलने का दावा करते हुए कहा कि यह राशि छह महीने में आती थी, तो आधा पैसा बाबू खा जाता था,।

एकनाथ शिंदे की तबियत में नहीं हो रहा सुधार, ठाणे के अस्पताल में भर्ती

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे अभी तक बुखार से पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं और मंगलवार को वह ठाणे के जुपिटर अस्पताल पहुंचे। अपने डॉक्टरों की सलाह के बाद शिंदे तय करेंगे कि उन्हें मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास श्वर्षाश बंगले में लौटना है या ठाणे में अपने आवास पर रहना है। जानकारी के मुताबिक, अगर उनकी हालत में सुधार नहीं हुआ तो वह अपने ठाणे स्थित आवास पर ही रह सकते हैं। गले में संक्रमण और बुखार सहित स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करने के बाद उन्होंने यह दौरा किया है। शिंदे की मेडिकल टीम ने उनकी स्थिति पर नजर रखने और जरूरत पड़ने पर आगे उपचार प्रदान करने के लिए परीक्षणों का सुझाव दिया। अपने स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं के बावजूद, शिंदे के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए श्महापरिनिर्वाण दिवसश से संबंधित चर्चा में भाग लेने की संभावना है, जहां वह अधिकारियों के साथ बैठक कर महत्वपूर्ण मामलों पर चर्चा करेंगे। गौरतलब है कि पिछले शुक्रवार को सतारा जिले में अपने पैतृक गांव का दौरा करने के बाद शिंदे की तबीयत बिगड़ गई थी। शिंदे के एक करीबी सहयोगी ने यह भी कहा कि कार्यवाहक मुख्यमंत्री कुछ समय से बीमार हैं और शनिवार, 30 नवंबर को उन्हें बुखार हो गया। इस बीच, चन्द्रशेखर बावनकुले, गिरीश महाजन, धनंजय मुंडे, अनिल पाटिल और गुलाबराव पाटिल सहित महायुति गठबंधन के नेताओं ने आगामी शपथ ग्रहण समारोह की व्यवस्था की ।

भारत-चीन संबंधों पर लोकसभा में विदेश मंत्री का बयान, तेल क्षेत्र विधेयक पारित

नयी दिल्ली। संसद के शीतकालीन सत्र में आज ऐसा पहला दिन था जब दोनों सदनों में कामकाज हुआ। शीतकालीन सत्र के पहले के छह दिन पूरी तरीके से बर्बाद रहे क्योंकि विपक्ष के हंगामे की वजह से दोनों सदनों में कामकाज नहीं हो सका था। हालांकि आज भी शुरुआत में विपक्ष का हंगामा देखने को मिला। लेकिन सदन में कामकाज जारी रहा। तेल क्षेत्र (नियमन एवं विकास) संशोधन विधेयक 2024 को राज्यसभा से मंजूरी मिली। वहीं, लोकसभा में विदेश मंत्री ने चीन के साथ संबंधों को लेकर बयान दिया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन में 13 और 14 दिसंबर को संविधान पर चर्चा होने की सूचना देते हुए मंगलवार को कहा कि यदि सदन की कार्यवाही बाधित रही तो शनिवार और रविवार को भी बैठक होगी। केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को लोकसभा में आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में 'महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी' (मनरेगा) योजना के तहत बजट आवंटन का दुरुपयोग किया गया तथा 'अपात्र' लोगों को लाभ पहुंचाने का अपराध किया गया है। चौहान ने सदन में प्रश्नकाल के दौरान तृणमूल कांग्रेस के सांसद कल्याण बनर्जी के पूरक प्रश्न पूछे जाने के बाद यह टिप्पणी की। बनर्जी ने पूरक प्रश्न पूछते हुए आरोप लगाया कि मनरेगा के बजट आवंटन में पश्चिम बंगाल के साथ भेदभाव किया जा रहा है और उसे देय राशि रोकी गई। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश के संभल में पिछले दिनों हुई हिंसा को 'सोची–समझी साजिश' करार देते हुए मंगलवार को लोकसभा में मांग की कि घटना के लिए जिम्मेदार पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों को निलंबित किया जाए और उन पर हत्या का मुकदमा चलाया जाए। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन में प्रश्नकाल के दौरान द्रमुक नेता टी आर बालू से चुटीले अंदाज में सवाल किया कि क्या वह उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और गुजरात में अपनी पार्टी का विस्तार करना चाहते हैं। उन्होंने यह टिप्पणी उस वक्त की जब बालू ने मनरेगा से जुड़ा पूरक प्रश्न पूछा। वहीं, लोकसभा में मंगलवार को शून्यकाल शुरू होने से पहले कार्यसूची में विभिन्न मंत्रियों के नाम से अंकित दस्तावेज संसदीय कार्य राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल द्वारा प्रस्तुत किए जाने पर अप्रसन्नता जताते हुए अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि संबंधित मंत्रियों को सदन में उपस्थित रहना चाहिए। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कुछ सप्ताह पहले चीन के साथ तनाव कम करने के लिए हुए समझौते के बारे में मंगलवार को लोकसभा को सूचित किया और कहा कि इस सरकार का रुख स्पष्ट है कि बीजिंग के साथ संबंधों के विकास के लिए सीमा पर शांति जरूरी है। उन्होंने निचले सदन में भारत–चीन संबंधों की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और गलवान घाटी की झड़प के बारे में संक्षिप्त जानकारी देते हुए कहा कि भारत और चीन के संबंध 2020 से असामान्य रहे, जब चीन की कार्रवाइयों की वजह से सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति बाधित हुई। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कहा कि बैंककारी विधियां (संशोधन) विधेयक 2024 के माध्यम से किए गए संशोधन बैंकिंग क्षेत्र में संचालन प्रणाली को मजबूत बनाने के साथ ही ग्राहकों और निवेशकों के हितों को सुरक्षित करने वाले होंगे। सीतारमण ने लोकसभा में इस विधेयक को चर्चा एवं पारित करने के लिए प्रस्तुत करते हुए कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934य बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949य भारतीय स्टेट बैंक, 1955 और बैंकिंग कंपनियां (उपक्रमों का अधिग्रहण और हस्तांतरण), 1980 में कुल 19 संशोधन प्रस्तावित हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार में 'बैंकिंग फोन सिस्टम' था ।

संपादकीय

जनसंख्या का गणित

देश में विभिन्न दलों के राजनेता और धार्मिक नेता अपने तात्कालिक हितों की पूर्ति हेतु अपने लक्षित समूहों की आबादी बढ़ाने की जरूरत बताते रहे हैं। आबादी के बोझ से चरमराती नागरिक सेवाओं और सीमित संसाधनों के बीच आबादी बढ़ाने का आह्वान करना तार्किक दृष्टि से गले नहीं उतरता। लेकिन इसके बावजूद ध ार्मिक व सांप्रदायिक समूह के अगुआ आबादी बढ़ाने का आह्वान करते नजर आते हैं। इस विवादास्पद मुद्दे की हालिया चर्चा राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत की टिप्पणी के कारण फिर सुर्खियों में है। उनका कहना है कि दुनिया के सबसे ज्यादा आबादी वाले देश में जनसंख्या वृद्धि दर में गिरावट आ रही है। उन्होंने एक तस्वीर उकेरते हुए कहा है कि जिस समाज की कुल प्रजनन दर 2. 1 से नीचे चली जाएगी, कालांतर उस समाज को एक चुनौती का सामना करना पड़ेगा। उनकी दलील है कि बहुसंख्यक समाज को हम दो, हमारे तीन के समाधान पर अमल करना चाहिए। यानी प्रत्येक जोड़े को कम से कम तीन बच्चे पैदा करने चाहिए। उल्लेखनीय है कि राजस्थान विधानसभा चुनाव के दौरान एक चुनावी रैली में प्रध ानमंत्री ने एक समुदाय विशेष को इंगित करते हुए चिंता जतायी थी कि अधिक आबादी वाला समुदाय जनसंख्या संतुलन के लिये चुनौती पेश कर रहा है। वहीं दूसरी ओर इस विवादास्पद भाषण के कुछ सप्ताह के बाद प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद द्वारा जारी आंकड़ों के निष्कर्ष में इस बात को लेकर चिंता जतायी गई थी कि 1950 से 2015 के बीच बहुसंख्यक समाज की आबादी में 7.82 फीसदी की कमी आई है। वहीं देश के मुख्य अल्पसंख्यक समुदाय की आबादी में 43 फीसदी की वृद्धि हुई है। दरअसल, इन्हीं आंकड़ों के जरिये भविष्य में बहुसंख्यक समाज के समक्ष उत्पन्न होने वाली चुनौतियों के रूप में पेश किया जाता है। दरअसल, राजनीतिक नेतृत्व व धार्मिक संगठनों के नेताओं द्वारा अपनी सुविधा की जनसंख्या नीति को लेकर जो दलीलें दी जा रही हैं, वे एक अर्थशास्त्री द्वारा लक्षित जनसंख्या की संकल्पना दृष्टि के मद्देनजर विरोधाभासी कही जा सकती हैं। कसित भारत के लक्ष्य हासिल करने में छोटे परिवार मददगार साबित हो सकते हैं। निश्चित रूप से जनसंख्या से जुड़ी विरोधाभासी दलीलों की तार्किकता तलाश पाना एक कठिन कार्य रहा है। लेकिन एक हकीकत यह भी है कि देश में परिवार नियोजन और गर्भनिरोधक के प्रयोग में वृद्धि के कारण प्रजनन दर में काफी गिरावट आई है। वहीं ऐसे ही तात्कालिक कारणों तथा राजनीतिक लक्ष्यों ने आंध ्र प्रदेश में टीडीपी सरकार को दो संतानों की नीति को खत्म करने के लिये प्रेरित किया है। ऐसी ही जनसंख्या नीति में बदलाव के लिये तमिलनाडु सरकार की तरफ से विरोधाभासी बयान विगत में सोशल मीडिया पर खूब चर्चा का विषय बने हैं। ऐसे हालात में विभिन्न राज्यों में सरकारों को चाहिए कि वे जनसंख्या नीति पर बयानबाजी करने से पहले उपलब्ध संसाधनों का मूल्यांकन करें। वे विचार करें कि स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, रोजगार सृजन और गरीबी उन्मूलन की चुनौती के बीच क्या वे अतिरिक्त जनसंख्या के बोझ को संभाल पाने में सक्षम हो सकते हैं? निस्संदेह, राजनीतिक और धार्मिक लक्ष्यों के लिये संख्या का खेल खेलने वाले नेताओं को सांप्रदायिक तनाव बढ़ाना भले ही सफलता का शार्टकट लगता हो, लेकिन उन्हें भारत की दीर्घकालिक सामाजिक और आर्थिक स्थिरता के लिये ऐसे प्रयासों के निहितार्थों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। जाहिर बात है कि देश की भौगोलिक स्थिति और जनसंख्या का घनत्व पहले ही काफी असंतुलित है। यदि फिर भी जनसंख्या वृद्धि की होड़ संकीर्ण स्वार्थों के लिये की जाती है तो उसके दूरगामी घातक प्रभाव सामने आ सकते हैं। हमारी प्राथमिकता हर हाथ को काम देने तथा सीमित संसाधनों के बेहतर उपयोग होनी चाहिए। यदि ऐसे हालात में आबादी में अप्रत्याशित वृद्धि होती है तो कालांतर जनसंख्या के दबाव से चरमराती नागरिक सेवाओं के ध्वस्त होने की आशंका बलवती हो जाएगी।

अजमेर शरीफ दरगाह विवाद

लगता है कि अब अजमेर दरगाह की बारी है। स्थानीय अदालत में एक याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि दरगाह शिव मंदिर के स्थान पर बनाई गई थी, जिसे कथित तौर पर मुस्लिम आक्रमणकारियों ने ध्वस्त कर दिया था। पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 1991 के आधार पर याचिका को खारिज करने के बजाय, जिसमें कहा गया है कि सभी पूजा स्थल 15 अगस्त, 1947 को अपने धार्मिक चरित्र को बनाए रखेंगे, अदालत ने दरगाह समिति, अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को उनकी प्रतिक्रिया के लिए नोटिस भेजा है। शायद यह इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा आदेशित और ज्ञानवापी मस्जिद के मामले में भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ द्वारा बरकरार रखे गए एएसआई द्वारा श्वैज्ञानिकश सर्वेक्षण की दिशा में पहला कदम है। इस तरह के सर्वेक्षणों से उपासना स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम निरर्थक हो जाता है, भले ही उनका उद्देश्य, जैसा कि ज्ञानवापी मस्जिद के मामले में हुआ, वर्तमान स्वरूप को बदले बिना स्थान के मूल चरित्र को निर्धारित करना हो। यदि सर्वोच्च न्यायालय सहित न्यायालय 1991 के कानून को लागू करने में विफल रहते हैं, तो संघर्ष जारी रहेंगे, जिससे सांप्रदायिक सद्भाव में व्यवधान बढ़ेगा। नवंबर में, उत्तर प्रदेश में पुलिस और लोगों के बीच टकराव में चार लोगों की मौत हो गई, जो इसी तरह के कारणों से अदालत द्वारा संभल में जामा मस्जिद के सर्वेक्षण का विरोध कर रहे थे। यह इस अभ्यास का एक गंभीर परिणाम था। अजमेर दरगाह के वंशानुगत प्रशासक ने ऐसी याचिकाओं के पीछे ष्विभाजनकारी एजेंडेष् की निंदा की है और दरगाह को सांप्रदायिक शांति और सद्भाव का प्रतीक बताया है, जिसका मुस्लिम और हिंदू दोनों ही सम्मान करते हैं। प्रधानमंत्री द्वारा हर उर्स पर इस पर चादर चढ़ाई जाती है। मामले का यह पहलू इन याचिकाओं के विनाशकारी इरादे पर जोर देता है। 1991 के कानून और 2019 में बाबरी मस्जिद–राम जन्मभूमि मामले में सर्वोच्च न्यायालय के फैसले ने इस तरह के विवादों को खत्म करने की कोशिश की। इन न्यायिक हस्तक्षेपों का लक्ष्य शांति स्थापित करना था। विडंबना यह है कि उन्होंने ऐसी मांगों के लिए बाढ़ के दरवाजे खोल दिए हैं। ज्ञानवापी मस्जिद के आदेश ने इन मांगों को और बढ़ावा दिया है। यह जरूरी है कि सभी अदालतें पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम के आधार पर इन याचिकाओं को खारिज करें। अदालतें कानून और संविधान को बरकरार रखती हैं और ये आदेश दोनों के विपरीत हैं। कानून के सख्त क्रियान्वयन से ही इनका हमेशा के लिए अंत हो जाएगा।

दिल्ली सल्तनत पर बार-बार क्यों करते हैं किसान चढ़ाई?

डॉ. रमेश ठाकुर

अन्नदाताओं की समस्याओं का समाधान आखिर कब होगा? क्या उनकी मांगे भविष्य में कभी पूरी हो भी पाएंगी या नहीं? केंद्र में सरकार चाहे कांग्रेस की हो या भाजपा की, हर दौर में यही सब कुछ देखने को मिलता है। कमोबेस, सरकारों का रवैया सदैव एक जैसा ही रहता है। इसलिए एकाएक किसी सरकार को दोषी ठहराना किसी टिप्पणीकार के लिए बेईमानी सा होता है। किसान आंदोलनों से जो समस्याएं उपजती हैं, उसका खामियाजा सिर्फ और सिर्फ आमजन ही भुगतते हैं। समस्याएं किस कदर पनपती हैं इस ओर शायद किसी का भी ध्यान नहीं जाता। मरीज, छात्र, राहगीर, दैनिक कर्मी तो बेहाल होते ही हैं, रोजमर्रा के क्रियाकलाप भी रुक जाते हैं। दो दिसंबर को भी यही हुआ, जब किसान उत्तर प्रदेश के एक छोर से चले, तो सड़कों पर दौड़ने वाले तेज वाहनों के पहिए थम गए। क्या मरीज, क्या नौकरीपेशा, सभी के पैर अपने जगह रूक गए। दरअसल, अपनी विभिन्न मांगों को लेकर किसान संगठनों ने एक बार फिर दिल्ली पर चढ़ाई करने का प्रयास कर रहे हैं। हालांकि ऐसा करने से उन्हें बलपूर्वक बॉर्डरों पर ही रोका गया है। पर, हालात दिल्ली–एनसीआर के एक बार फिर बिगड़ते दिखाई पड़ने लगे हैं। इस दफे भी किसानों के तेवर उग्र दिख रहे हैं। अन्नदाता लंबा आंदोलन करने के मूड़ में दिखाई पड़ते हैं। इतना तय है, अगर उनकी समस्याओं का समाधान समय रहते नहीं हुआ, तो हालात पिछले किसान आंदोलन जैसे बनने में वक्त नहीं लगेगा। किसान केंद्र सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार को बीते एक महीने से अल्टीमेटम दे रहे थे कि उनकी मांगे मानी जाएं, उनसे बात करे कोई जिम्मेदार व्यक्ति, जिससे दोनों पक्ष बैठकर कोई हल निकाल सकें। लेकिन उनकी बातों को हुकूमती स्तर पर एक बार भी अनसुना और अनदेखा किया गया। दिल्ली पहुंचने के लिए गौतमबुद्ध नगर से करीब 50,000 से अधिक किसान सोमवार सुबह यानी दो तारीख को नोएडा महामाया फ्लाईओवर के पास एकत्रित हुए, फिर उन्होंने दिल्ली कूच का प्लान किया, हालांकि तत्काल रूप से तो पुलिस ने उनकी योजना को विफल कर दिया है। लेकिन किसान बॉर्डर पर ही डटे हुए हैं, वह किसी भी सूरत में दिल्ली पहुंचना चाहते हैं। उनको लगता है संसद का शीत सत्र चालू है। पूरी हुकूमती मशीनरी इस समय एक साथ है, उनकी बातें आसानी से पहुंच सकती है। पर, ऐसा होता दिख नहीं रहा। केंद्र सरकार इतनी आसानी से सबकुछ मान लेगी, ऐसा भी दिखाई नहीं पड़ता। इसलिए किसान भी काफी उग्र हैं। अपने साथ लंबे आंदोलन को करने के लिए तामझाम लेकर पहुंच हैं। राशन, टैक्टर, मोटरसाइकिल, गैस सिलेंडर, तंबू आदि है उनके पास। किसानों ने दिल्ली मार्च का प्लान अचानक से ही बनाया। पहले की प्री–प्लान नहीं थी। क्योंकि किसान अपनी विभिन्न मांगो को लेकर नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण पर पिछले कुछ दिनों से धरनागत थे। उनकी प्रमुख मांगे हैं, उन्हें जमीन के बदले 10 पर्सेंट निर्मित प्लॉट और 64 पर्सेंट बढ़ा हुआ जमीन का शेष मुआवजा दिया जाए। साथ ही जितने किसान जमीन छिन जाने से भूमिहीन हुए हैं, उनके परिवार के बच्चों को केंद्र सरकार और राज्य सरकार कोई न कोई रोजगार जैसी वैकप्लिक व्यवस्थाएं की जाएं, इसके अलावा एमएसपी गारंटी कानून लागू करें। फसलों की कीमतें डबर हों, खाद, बीज व कीटनाशक दवाईयों के रेट कम किए जाएं जैसी पुरानी मांगे भी उनकी बरकरार हैं। इस वक्त मंड़ियों

में धान की खरीद में जो घटतौली हो रही है उसे तुरंत रोका जाए। ये मांगे ऐसी जिसे शायद ही सरकारें मांगे। प्रतीत ऐसा होता है कि ये किसान मूवमेंट भी बडा रूप ले सकता है। अभी तक गनीमत ये समझी जाए, इस मोर्चे में सिर्फ दर्जन भर ही किसान संगठन शामिल हुए हैं। हालांकि बाहर से करीब सौ से ज्यादा किसान संगठनों का समर्थन प्राप्त है। मोर्चे को रोकने को अगर कोई जल्द विकल्प नहीं निकाला गया, तो अन्य किसान संगठन भी कूदने में देर नहीं करेंगे। हांलाकि सोमवार को किसान मोर्चे को देखते हुए नोएडा ट्रैफिक पुलिस और दिल्ली पुलिस की ओर से एडवाइजरी की गई जिसमें कालिंदी कुंज बॉर्डर, यमुना एक्सप्रेस–वे और डीएनडी बॉर्डर से बचने की लोगों को सलाह दी गई, क्योंकि इन जगहों पर मोर्चे का असर व्यापक रूप से देखने को मिला। लोग अनचाई परेशानी से जूझते दिखाई पड़े, स्कूली बच्चों भी जाम में फंसे रहे, एमबूलेंस भी नहीं निकल पाईं। नौकरीपेशा समय से अपने कार्यालयों में नहीं पहुंच पाए। ये हालात ऐसे ही बने रहेंगे, जब तक ये मूवमेंट चलता रहेगा। किसान मूवमेंट शुरू होने के कुछ घंटों बाद ही राजनीति भी आरंभ हो गई। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने अपना समर्थन दे दिया। कांग्रेस ने कहा दिल्ली बॉर्डर पर बैरिकेडिंग, वाटर कैनन, दंगा नियंत्रण गाड़ियां और अमित शाह की पूरी पुलिस तैनात की गई। ऐसा प्रतीत होता है जैसे की उनको किसी आंतकवादी को रोकना या पकड़ना हो? किसान भूमि अधि ग्रहण का उचित मुआवजा और फसल के सही दाम की मांग लेकर दिल्ली आकर सोती सरकार को जगाना चाहते हैं इसमें बुरा क्या है? वहीं, आम आदमी पार्टी की ओर से बयान आया जिसमें कहा गया कि राष्ट्र की राजधानी किसी की बपौती तो है नहीं? फिर किसान क्यों नहीं आ सकते? प्रधानमंत्री पर भी उन्होंने हमला किया। बोले, किसानों पर बर्बरता के नए आयाम रच रहे हैं प्रधानमंत्री। उनके दिल में अन्नदाताओं के लिए रत्ती भर सम्मान नहीं है। कांग्रेस का मानना है कि किसान अपनी जायज मांगों को लेकर दिल्ली आना चाहते हैं, उन्हें आने देना चाहिए, उनपर वाटर कैनन का प्रयोग करना गलत है। दरअसल, ऐसे मौकों पर विपक्ष का बिना सोचे समझे कूद पड़ना, 'आग में घी डालने' का काम कर जाता है। जबकि, उन्हें केंद्र सरकार पर दबाव बनाकर विकल्प और समाधान की ओर ध्यानाकर्षण करवाना चाहिए। ताकि सरकार आंदोलनकारियों से बात करने पर विवश हो? पर, दुर्भाग्य ऐसा हो नहीं पाता और न ही विपक्ष ऐसा प्रयास करता है।

भारत में सहकारिता आंदोलन को सफल होना ही होगा

प्रह्लाद सबनानी ।

भारत में आर्थिक विकास को गति देने के उद्देश्य से सहकारिता आंदोलन को सफल बनाना बहुत जरूरी है। वैसे तो हमारे देश में सहकारिता आंदोलन की शुरुआत वर्ष 1904 से हुई है एवं तब से आज तक सहकारी क्षेत्र में लाखों समितियों की स्थापना हुई है। कुछ अत्यधिक सफल रही हैं, जैसे अमूल डेयरी, परंतु इस प्रकार की सफलता की कहानियां बहुत कम ही रही हैं। कहा जाता है कि देश में सहकारिता आंदोलन को जिस तरह से सफल होना चाहिए था, वैसा हुआ नहीं है। बल्कि, भारत में सहकारिता आंदोलन में कई प्रकार की कमियां ही दिखाई दी हैं। देश की अर्थव्यवस्था को यदि 5 लाख करोड़ अमेरिकी डालर के आकार का बनाना है तो देश में सहकारिता आंदोलन को भी सफल बनाना ही होगा। इस दृष्टि से केंद्र सरकार द्वारा एक नए सहकारिता मंत्रालय का गठन भी किया गया है। विशेष रूप से गठित किए गए इस सहकारिता मंत्रालय से अब "सहकार से समृद्धि" की परिकल्पना के साकार होने की उम्मीद भी की जा रही है। भारत में सहकारिता आंदोलन का यदि सहकारिता की संरचना की दृष्टि से आंकलन किया जाय तो ध यान में आता है कि देश में लगभग 8.5 लाख से अधिक सहकारी साख समितियां कार्यरत हैं। इन समितियों में कुल सदस्य संख्या लगभग 28 करोड़ है। हमारे देश में 55 किस्मों की सहकारी समितियां विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रही हैं। जैसे, देश में 1. 5 लाख प्राथमिक दुग्ध सहकारी समितियां कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त 93,000 प्राथमिक कृषि सहकारी साख समितियां कार्यरत हैं। ये मुख्य रूप से ग्रामीण इलाकों में कार्य करती हैं। इन दोनों प्रकार की लगभग 2. 5 लाख सहकारी समितियां ग्रामीण इलाकों को अपनी कर्मभूमि बनाकर इन इलाकों की 75 प्रतिशत जनसंख्या को अपने दायरे में लिए हुए है। उक्त के अलावा देश में सहकारी साख समितियां भी कार्यरत हैं और यह तीन प्रकार की हैं। एक तो वे जो अपनी सेवाएं शहरी इलाकों में प्रदान कर रही हैं। दूसरी वे हैं जो ग्रामीण इलाकों में तो अपनी सेवाएं प्रदान कर रही हैं, परंतु कृषि क्षेत्र में ऋण प्रदान नहीं करती हैं। तीसरी वे हैं जो उद्योगों में कार्यरत श्रमिकों एवं कर्मचारियों की वित्त सम्बंधी जरूरतों को पूरा करने का प्रयास करती हैं। इसी प्रकार देश में महिला सहकारी साख समितियां भी कार्यरत हैं। इनकी संख्या भी लगभग एक लाख है। मछली पालन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मछली सहकारी साख समितियां भी स्थापित की गई हैं, इनकी संख्या कुछ कम है। ये समितियां मुख्यतः देश में समुद्र के आसपास के इलाकों में स्थापित की गई हैं। देश में बुनकर सहकारी साख समितियां भी गठित की गई हैं, इनकी संख्या भी लगभग 35,000 है। इसके अतिरिक्त हाउसिंग सहकारी समितियां भी कार्यरत हैं। उक्तवर्णित विभिन क्षेत्रों में कार्यरत सहकारी समितियों के अतिरिक्त देश में सहकारी क्षेत्र में तीन प्रकार के बैंक भी कार्यरत हैं। एक, प्राथमिक शहरी सहकारी बैंक जिनकी संख्या 1550 है और ये देश के लगभग सभी जिलों में कार्यरत हैं। दूसरे, 300 जिला सहकारी बैंक कार्यरत हैं एवं तीसरे, प्रत्येक राज्य में एपेक्स सहकारी बैंक भी बनाए गए हैं। उक्त समस्त आंकडें वर्ष 2021–22 तक के हैं। इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि हमारे देश में सहकारी आंदोलन की जड़ें बहुत गहरी हैं। दुग्ध क्षेत्र में अमूल सहकारी समिति लगभग 70 वर्ष पूर्व प्रारम्भ हुई है, जिसे आज भी सहकारी क्षेत्र की सबसे बड़ी सफलता के रूप में गिना जाता है। सहकारी क्षेत्र में स्थापित की गई समितियों द्वारा रोजगार के कई नए अवसर निर्मित किए गए हैं। सहकारी क्षेत्र में एक विशेषता यह पाई जाती है कि इन समितियों में सामान्यतः निर्णय सभी सदस्यों द्वारा मिलकर लिए जाते हैं। सहकारी क्षेत्र देश के आर्थिक विकास में अपनी अहम भूमिका निभा सकता है। परंतु इस क्षेत्र में बहुत सारी चुनौतियां भी रही हैं। जैसे, सहकारी बैंकों की कार्य प्रणाली को दिशा देने एवं इनके कार्यों को प्रभावशाली तरीके से नियंत्रित करने के लिए अपेक्स स्तर पर कोई संस्थान नहीं है। जिस प्रकार अन्य बैंकों पर भारतीय रिजर्व बैंक एवं अन्य वित्तीय संस्थानों का नियंत्रण रहता है ऐसा सहकारी क्षेत्र के बैंकों पर नहीं है। इसीलिए सहकारी क्षेत्र के बैंकों की कार्य पद्धति पर हमेशा से ही आरोप लगते रहे हैं एवं कई तरह की धोखेबाजी की घटनाएं समय समय पर उजागर होती रही हैं। इसके विपरीत सरकारी क्षेत्र के बैंकों का प्रबंधन बहुत पेशेवर, अनुभवी एवं सक्रिय रहा है। ये बैंक जोखिम प्रबंधन की पेशेवर नीतियों पर चलते आए हैं जिसके कारण इन बैंकों की विकास यात्रा अनुकरणीय रही है। सहकारी क्षेत्र के बैंकों में पेशेवर प्रबंधन का अभाव रहा है एवं ये बैंक पूंजी बाजार से पूंजी जुटा पाने में भी सफल नहीं रहे हैं। अभी तक चूंकि सहकारी क्षेत्र के संस्थानों को नियंत्रित करने के लिए प्रभावी तंत्र का अभाव था केंद्र सरकार द्वारा किए गए नए मंत्रालय के गठन के बाद सहकारी क्षेत्र के संस्थानों को नियंत्रित करने में कसावट आएगी एवं इन संस्थानों का प्रबंधन भी पेशेवर बन जाएगा जिसके चलते इन संस्थानों की कार्य प्रणाली में भी निश्चित ही सुधार होगा। सहकारी क्षेत्र पर आधरित आर्थिक मोडेल के कई लाभ हैं तो कई प्रकार की चुनौतियां भी हैं। मुख्य चुनौतियां ग्रामीण इलाकों में कार्य कर रही जिला केंद्रीय सहकारी बैकों की शाखाओं के सामने हैं। इन बैंकों द्वारा ऋण प्रदान करने की स्कीम बहुत पुरानी हैं एवं समय के साथ इनमें परिवर्तन नहीं किया जा सका है। जबकि अब तो ग्रामीण क्षेत्रों में आय का स्वरूप ही बदल गया है। ग्रामीण इलाकों में अब केवल 35 प्रतिशत आय कृषि आधारित कार्य से होती है शेष 65 प्रतिशत आय गैर कृषि आधारित कार्यों से होती है। अतः ग्रामीण इलाकों में कार्य कर रहे इन बैकों को अब नए व्यवसाय माडल खड़े करने होंगे। अब केवल कृषि व्यवसाय आधारित ऋण प्रदान करने वाली योजनाओं से काम चलने वाला नहीं है। भारत विश्व में सबसे अधिक दूध उत्पादन करने वाले देशों में शामिल हो गया है। अब हमें दूध के पावडर के आयात की जरूरत नहीं पड़ती है। परंतु दूध के उत्पादन के मामले में भारत के कुछ भाग ही, जैसे पश्चिमी भाग, सक्रिय भूमिका अदा कर रहे हैं।

घरेलू राजनीति और कूटनीति में टकराव

अगस्त को बांग्लादेश की प्रध ानमंत्री शेख हसीना को छात्रों के नेतृत्व में बढ़ते विरोध प्रदर्शनों के बाद अपने देश से भागने और भारत में शरण लेने के लिए मजबूर होना पड़ा, जिसके बाद से भारत–बांग्लादेश संबंधों में खटास आ गई है। शेख हसीना को इस्लामी ताकतों के खिलाफ एक मजबूत दीवार के रूप में देखते हुए, नई दिल्ली ने उनकी बढ़ती तानाशाही के बावजूद बिना किसी सवाल के उनका समर्थन किया। करीबी सहयोगियों का समर्थन करते हुए, उनकी घरेलू राजनीति की अनदेखी करने का एक लंबा इतिहास रहा है। ।सेव त्मंक – म्कपजवतपंसरू भारतीय स्कूल डिजिटल साक्षरता और मानसिक स्वास्थ्य चुनौतियों से कैसे निपट रहे हैं? संयुक्त राज्य अमेरिका ने अक्सर भू–राजनीतिक लाभ के लिए घृणित तानाशाही सरकारों का समर्थन किया है। एक अमेरिकी राष्ट्रपति ने इसे इस आधार पर उचित ठहराया कि शासक, आखिरकार, ष्हमारा कमीना बेटाष् था। परिणामस्वरूप अमेरिका को कभी–कभी नुकसान उठाना पड़ा है। 1979 में अयातुल्ला खुमैनी के नेतृत्व वाली इस्लामी ताकतों द्वारा ईरान के शाह को सत्ता से बेदखल करना, जो तब फ्रांस में निर्वासित थे, इसका एक प्रमुख उदाहरण है। इसने 1971 में ब्रिटिशों के बाहर निकलने के बाद खाड़ी को स्थिर करने के लिए ईरान और सऊदी अरब का उपयोग करके "जुड़वां स्तंभ" अमेरिकी नीति को उलट दिया। अमेरिका अभी भी इसे हासिल करने के लिए संघर्ष कर रहा है। ।सेव त्मंक – ेजवतलरू !! राजा और वृद्ध ! शायद भारत सरकार अपने घरेलू बहुसंख्यक पूर्वाग्रह से अंधी हो गई, जिसने इस्लामवादी तत्वों से जूझ रहे मुस्लिम बहुसंख्यक राष्ट्र के साथ गठबंधन किया। पड़ोस में धर्मनिरपेक्षता का समर्थन करते हुए घर में इसकी अनदेखी करने की विडंबना को नजरअंदाज कर दिया गया। अमेरिका बांग्लादेश को लोकतांत्रिक प्रतिगमन के बारे में चेतावनी दे रहा था, 2021 में इसकी कुलीन पुलिस इकाई और 2024 में एक पूर्व सेना प्रमुख पर प्रतिबंध लगा रहा था। भारत ने इसे एक ऐसे राष्ट्र में अनावश्यक हस्तक्षेप के रूप में देखा, जो उसे सही रास्ते पर लगा हुआ था। ।सेव त्मंक – म्कपजवतपंसरू विज्ञान पत्रकारिता शेख हसीना ने पिछले 28 वर्षों में से 20 वर्षों तक शासन किया, जिसमें 2009 से लगातार सत्ता में रहना भी शामिल है। 2000–16 के दौरान, बांग्लादेश आर्थिक विकास का एक मॉडल बन गया। अत्यधिक गरीबी में रहने वाली आबादी में दो–तिहाई की कमी आई। बाजार मूल्यों पर प्रति व्यक्ति सहित कई सूचकांक भारत से ऊपर रहे। शेख हसीना ने जमात–ए–इस्लामी को भी कमजोर करने में कामयाबी हासिल की, जो देश की आजादी का विरोध करती थी

और पाकिस्तानी सेना के साथ सहयोग करती थी। 1971 में आजादी के बाद इसे प्रतिबंधित कर दिया गया, जब शेख हसीना के पिता शेख मुजीबुर रहमान ने पहली सरकार बनाई। इसके नेता गुलाम आजम की नागरिकता रद्द कर दी गई और वे विदेश भाग गए। 1975 में मुजीब की हत्या के बाद, जमात ने फिर से अपनी गतिविधि ायां शुरू कर दीं। बेगम खालिदा जिया की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी), जो एक पूर्व सेना प्रमुख और राष्ट्रपति की हत्या की विधवा थीं, ने जमात के साथ गठबंधन कर लिया। यह गठबंधन अब फिर से चर्चा में है, क्योंकि मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने बीएनपी और जमात नेताओं को बंधनमुक्त कर दिया है। शेख हसीना के भारत में आत्म–निर्वासन के तुरंत बाद, उनकी पार्टी अवामी लीग के वरिष्ठ सदस्यों और कार्यकर्ताओं पर हमला किया गया और उन्हें गिरफ्तार किया गया, जिसमें लगभग 1,000 लोग मारे गए। तीन सदस्यीय अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण अब प्रदर्शनकारियों, खासकर छात्रों की हत्या में कथित रूप से शामिल लोगों पर मुकदमा चला रहा है। गिरफ्तार किए गए लोगों में 11 मंत्री, एक जज और एक वरिष्ठ नौकरशाह शामिल हैं। न्यायाधि ाकरण के फैसले की नई समयसीमा 17 दिसंबर है, जिसने शेख हसीना और 45 अन्य के खिलाफ 17 अक्टूबर को वारंट जारी किए थे। दरअसल, न्यायाधिकरण ने भारत और बांग्लादेश के बीच प्रत्यर्पण संधि के अनुरूप फैसले को बनाने के कारण देरी की व्याख्या की। प्रत्यर्पण अनुरोध एक नया द्विपक्षीय विवाद बन सकता है। इसलिए, इस्कॉन से जुड़े पूर्व चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी की राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तारी लोकप्रिय भारत विरोधी भावना को दर्शाती है, जो अब हिंदू विरोधी भावना में बदल रही है। भारत सरकार द्वारा बांग्लादेश सरकार से अल्पसंख्यकों की रक्षा करने का अनुरोध महाराष्ट्र के चुनाव प्रचार में "काटेंगाय से बटेंगाय" के नारों के साथ मेल नहीं खाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसे सही ढंग से संशोधित किया लेकिन इसकी निंदा किए बिना। इसके बाद और भी हिंदू पुजारियों को गिरफ्तार किया गया है। बांग्लादेश में 14 मिलियन हिंदुओं के अलावा लगभग 10,000 भारतीय नागरिक हैं। पश्चिमी भारत के विपरीत, जहां पंजाबी मुसलमानों ने पाकिस्तान पर हावी होने के लिए अपनी भाषा और संस्कृति को त्याग दिया, बंगाली मुसलमान अपनी भाषा और संस्कृति से जुड़े रहे। अवामी लीग को इस विशाल बहुमत का समर्थन प्राप्त था। लेकिन हाल के वर्षों में, जैसे–जैसे बांग्लादेश का आर्थिक चमत्कार लड़खड़ाता गया और शेख हसीना का अधिनायकवाद बिगड़ता गया, लोकप्रिय भावना उनके धर्मनिरपेक्ष गठबंधन के खिलाफ हो गई। पाकिस्तान के अधिक सक्रिय होने की खबरें हैं, लेकिन भारत के अनुकूल शेख हसीना के बाहर निकलने के बाद चीन सबसे अच्छी स्थिति में है। जबकि चीन बांग्लादेश का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है, दक्षिण एशिया में भारत इसका श्रेय लेता है। पिछले आठ वर्षों में, भारत ने चार ऋण लाइनें बढ़ाई हैं, जिनकी कुल राशि +8 बिलियन है। 18 मार्च, 2023 को, दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों ने हाई–स्पीड डीजल ले जाने वाली भारत–बांग्लादेश मैत्री पाइपलाइन का दूरस्थ रूप से उद्घाटन किया। 1 नवंबर, 2023 को, दो रेल संपर्क परियोजनाओं और मैत्री सुपर थर्मल प्लांट का भी उद्घाटन किया गया। 1965 से पहले के पांच रेल संपर्कों का पुनर्वास किया गया। बांग्लादेश भारत से 1160 मेगावाट बिजली आयात कर रहा है। सितंबर 2023 में भारत द्वारा आयोजित जी–20 शिखर सम्मेलन में आमंत्रित शेख हसीना ने कृषि अनुसंधान, डिजिटल भुगतान और सांस्कृतिक आदान–प्रदान पर तीन समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए। इस प्रकार, शेख हसीना के शासन में मदद करने की भारतीय रणनीति कृषि अनुसंधान को बढ़ावा देना था। बांग्लादेश की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने और कनेक्टिविटी, बिजली और सैन्य संपर्क बढ़ाने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बांग्लादेश यह तर्क दे रहा है । कि उसकी सरकार हिंदुओं की रक्षा करती है। जिनेवा में उनके स्थायी प्रतिनिधि ने अल्पसंख्यक मुद्दों पर संयुक्त राष्ट्र फोरम के 17वें सत्र में बोलते हुए कहारू ष्बांग्लादेश का पूरा समाज सांप्रदायिक सद्भाव की हमारी लंबी परंपरा का पालन करते हुए अपने अल्पसंख्यकों की रक्षा के लिए आगे आया है।ष उन्होंने कहा कि हर नागरिक की सुरक्षा ष्बांग्लादेश की अंतरिम सरकार की आधारशिलाष् है।

उत्तर प्रदेश के पूर्व पावरलिफ्टर एवं उपाध्यक्ष के निधन पर खेल प्रेमियों में शोक की लहर

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पूर्व पावरलिफ्टर संघ उपाध्यक्षएवं अंतर्राष्ट्रीय रेफरी गिरीश जोशी के निधन पर पावरलिफ्टर खेल प्रेमियों में शोक की लहर व्याप्त है। मथुरा रिफायनरी में कार्यरत 67 वर्षीय गिरीश जोशी अंतर्राष्ट्रीय रेफरी के साथ–साथ अपने जमाने में उम्दा पावरलिफ्टर रहे और उत्तर प्रदेश पावर लिफ्टिंग के पूर्व अध्यक्ष भी रहे उनका निधन हल्द्वानी में स्थित अपने निवास पर हुआ। उनके परिवार में दो पुत्र, एक पुत्री तथा पत्नी है। उनके निधन पर पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी जीएस तिवारी, पूर्व वेटलिफ्टिंग कोच जीपी शर्मा,शैलेंद्र श्रीवास्तव, सुरेश पाल सिंह, नरेश बहादुर श्रीवास्तव, हिमांशु तिवारी, अजीत वर्मा, आदि खेल प्रेमियों ने ने उपस्थित होकर उनके निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त की एवं उनके परिवार को दुख सहने की शक्ति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

भीम ब्रिगेड की 12वीं वर्षगांठ पर बुद्धिजीवियों द्वारा राष्ट्र के प्रति चिंतन बैठक

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। भीम ब्रिगेड जिसका गठन स्वर्गीय प्रो भीम सिंह जी ने 12– 12 को भारत की राजधानी के जंतर मंतर से जनता को न्याय व अधिकार दिलाने के लिए किया गरम दल क्रांतिकारी वीर भी भारत को धार्मिक विवाद मुक्त, नशा मुक्त, भ्रष्टाचार मुक्त देखना चाहते थे जिसके लिए उन्होंने अंग्रेजों से लोहा लेकर भारत को आजाद करवाया और लाखों क्रांतिकारी वीरों ने अपनी जान न्योछावर कर दी आज हम सभी राजनीतिक भ्रष्टाचार में फ्घ्स चुके हैं और जनता द्वारा चुने जनप्रतिनिधी जीतने के बाद अपने पद का दुरुपयोग कर रहे हैं जनता को भ्रष्टाचार नशा, धार्मिक विवादों में जीने पर मजबूर कर रहे हैं हम सभी बुद्धिजीवियों से निवेदन करते हैं कि 12 दिसंबर 2024 दोपहर 2रू00 बजे .31 महिला कॉलोनी फर्नीचर मार्केट गांधीनगर नजदीक झील बस स्टैंड नई दिल्ली 110031 में एकत्रित होकर अपनी आवाज बुलंद कर जनता तक लेकर जाएं आगामी विधानसभा चुनाव अपने उम्मीदवारों को चिन्हित कर जनता से निवेदन किया जाए ताकि भारत को भ्रष्टाचार मुक्त, धर्म विवाद मुक्त, नशा मुक्त, बेरोजगार मुक्त किया जाए। निवेदकरू राष्ट्रीय सलाहकार डॉ रमेश कुमार पासी, कानूनी सलाहकार बी एस बिलोरिया रोहित कुमार पांडे, मधुसूदन बयाना, राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव जोली खोसला, महासचिव अरुण कुमार धवन (पूर्व न्यायाधीश) अरुण कुमार शर्मा, मीडिया प्रभारी, संजय कुमार शर्मा, अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ दिल्ली प्रदेश परमजीत कौर, सांस्कृतिक कार्यक्रम अध्यक्ष हितेश शर्मा, राष्ट्रीय सचिव ओम किशन, ।.श्र राजन, महफूज खान, राजू रहेजा, भूषण कुमार जैन, महेश जैन, सुखदेव सिंह, इरशाद कुरैशी, हंसराज वर्मा, दिल्ली सचिव जितेंद्र शौकीन, गुलाब जी, हुकम सिंह, मोहम्मद रफीक, अफलातून, दिल्ली महिला महासचिव रोशनी रहेजा, एकता जैन दिल्ली महिला सचिव रीमा जी, त्रिवेणी जादौन हैं।

बाल निकुंज विद्यालय बेलीगारद शाखा की आज तीसरे दिन लगी जीत की हैट्रिक

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। बाल निकुंज स्कूल एंड कॉलेजेस की ओर से खेली जा रही अंतर्शाखीय क्रिकेट टूर्नामेंट के अंडर 15 आयु वर्ग में बालक वर्ग का फाइनल मैच आज दिनांक 2दिसम्बर 2024 को शाखा बाल निकुंज विद्यालय बेलीगारद एवं बाल निकुंज इण्टर कालेज (बॉयज विंग) मोहिबुल्लापुर के मध्य खेला गया। जिसमें टास जीतकर बेलीगारद की टीम ने क्षेत्ररक्षण का फैसला लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए बॉयज विंग की टीम के ओपनर सम्भल कर खेलते हुए अच्छी शुरुआत की किंतु रन रेट बढा पाने में अशफल रहे। जिसकी वजह से 4 विकेट के नुकसान पर

कुल 66 रन ही बना सके। जबाब में उतरी बाल निकुंज विद्यालय एवं बाल निकुंज इंग्लिश स्कूल की संयुक्त टीम के दोनो ओपनर मो अहमद और विनीत की साझेदारी ने पूरे 50 रन बना डाले। इस प्रकार 10 ओवरों के खेल में तीन विकेट खोकर, तीन ओवर शेष रहते संयुक्त टीम ने लक्ष्य प्राप्त कर जीत का झंडा लहराकर जश्न मनाया। मैंन ऑफ द मैच का खिताब बल्लेवाज मो अहमद को दिया गया जिन्होंने नाबाद 32 रन बनाये और एक विकेट भी चटकाये । प्रधानाचार्या श्रीमती रश्मि शुक्ला ने विजेता टीम के सभी खिलाडियों को शील्ड व प्रशस्थित पत्र तथा रनर को रजत पदक व प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनका हौसला आफजायी किया।

एनसीसी रीजनल ऑफिस की टीम विजयी रही

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। मेसर्स एन सी सी लिमिटेड कंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा फ्रेंडली क्रिकेट मैच अपनी प्रोजेक्ट साइट्स एस डब्लू एस एम लखनऊ रूरल साईट, एयरपोर्ट लखनऊ साईट एवं रीजनल ऑफिस लखनऊ के बीच आयोजित

किया गया। आयोजन में श्री सतीश कुमार, सीनियर जी एम, निलेश मखीजा, जी एम एवं अन्य गडमान्य अधिकारियों की गौरवपूर्ण उपस्थिति एवं प्रोत्साहन रहा। बहुत ही रोमांचक मैचों के बाद एनसीसी रीजनल ऑफिस की टीम विजयी रही एवं ट्रॉफी की हकदार बनी। ऐसे खेल प्रतिस्पर्धा में खेल भावना को बढ़ाते हैं। कंपनी आगे भी इस प्रकार के मैचों का आयोजन करेगी।

आईएमएस, लखनऊविश्वविद्यालय ने 04.12.24 को ष्साहित्यिक ग्रंथों के माध्यम से नेतृत्व पाठ्ष पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। प्रबंधन विज्ञान संस्थान (आईएमएस) ने ष्साहित्यिक ग्रंथों के माध्यम से नेतृत्व पाठ्ष विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया। विशेष व्याख्यान का आयोजन लखनऊ विश्वविद्यालय के सम्मानित कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय एवं सम्मानित प्रोफेसर. विनीता काचर, ओएसडी, प्रबंधन विज्ञान संस्थान, लखनऊ विश्वविद्यालय के मार्गदर्शन में किया गया। प्रोफेसर. निशि पांडे, लखनऊ विश्वविद्यालय के अंग्रेजी और आधुनिक यूरोपीय भाषा विभाग की प्रमुख, आईएमएस के सेमिनार हॉल में मुख्य वक्ता थीं। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन से हुई। ओएसडी, आईएमएस, प्रोफेसर विनीता काचर ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया एवं मोमेंटो भेंट किया। उन्होंने कहानी कहने के साथ साहित्य के मूल्य, मानवीय मूल्यों के बारे में बताया, देवदास, रतन टाटा, मुद्राराक्षस जैसे विभिन्न ऐतिहासिक चरित्रों, पात्रों से सीखने और जीवन में इसका पालन करने पर चर्चा की। उन्होंने प्रतिदिन पढ़ने और लिखने पर जोर दिया। छात्र कैसे परिस्थितियों का सामना कर सकते हैं और नेता बनना सीखते हैं। कार्यक्रम में आईएमएस के संकाय सदस्यों और लखनऊ विश्वविद्यालय के नए परिसर में प्रबंधन के छात्रों ने भाग लिया। छात्र अत्यधिक प्रेरित थे। डॉ. रुचि ने धन्यवाद ज्ञापन किया और व्याख्यान की सराहना की।

संभल हिंसा के विरोध में आसपा ने किया प्रदर्शन, बोले- न्यायिक जांच की मांग कर दोषियों को सजा दी जाए

लखनऊ,(संवाददाता)। संभल हिंसा के विरोध में राजधानी लखनऊ में आजाद समाज पार्टी और भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया और जिलाधिकारी को ज्ञापन देने पहुंचे। प्रदर्शनकारियों ने संभल हिंसा की न्यायिक जांच की मांग की और कहा कि जो भी दोषी हैं उनको फांसी की सजा दी जाए। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष व सांसद चंद्रशेखर आजाद को संभल जाने से रोका जा रहा है। इसका मतलब है कि सरकार कुछ छुपाने का प्रयास कर रही है। आखिर सरकार हम लोगों को वहां पर क्यों नहीं जाने दे रही है? आज हम लोगों ने यहां पर प्रदर्शन किया है। अगर जांच ठीक से नहीं होगी तो हम आगे और बड़ा प्रदर्शन करेंगे। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि देश में लोकतंत्र को कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है। एक ऐसे समय में जब अर्थव्यवस्था कमजोर हो रही है।

डॉ.अरिमर्दन सिंह ने प्राचार्य पद पर कार्यभार ग्रहण किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। रजत वूमेंस कॉलेज ऑफ एजूकेशन एंड मैनेजमेंट, लखनऊ में डॉ अरिमर्दन सिंह ने प्राचार्य पद पर कार्यभार ग्रहण किया । रजत ग्रुप ऑफ कॉलेजेज की प्रबन्ध निदेशक पुष्पलता सिंह ने लखनऊ विश्वविद्यालय से अनुमोदन पत्र प्राप्त होने के बाद आज डॉ. अरिमर्दन सिंह को कार्यभार ग्रहण कराया। रजत ग्रुप ऑफ कॉलेजेज के चेयरमैन डॉ. आर. जे. सिंह एवं समस्त शिक्षकध्शिक्षिकाओं ने डॉ. अरिमर्दन सिंह को बधाई एवं शुभकामनाएँ दिया। डॉ. अरिमर्दन सिंह ने रजत ग्रुप ऑफ कॉलेजेज में बी.एड. विभाग में प्रवक्ता के रूप में 2008 में जॉइन किया था।उसके बाद बी.एड. विभाग में ही विभागाध्यक्ष के रूप तथा एम.एड विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर भी कार्य किया। इस दौरान आपके अनेक शोध पत्र एवं किताबें भी प्रकाशित हुई । उल्लेखनीय है कि आपको नेशनल बुक ट्रस्ट द्वारा उत्कृष्ट लेखन सम्मान तथा आदर्श शिक्षक सम्मान भी प्राप्त हो चुका है। डॉ सिंह ने रजत ग्रुप ऑफ कॉलेजेज के चेयरमैन डॉ आर जे सिंह एवं प्रबन्धा निदेशक पुष्पलता सिंह को हृदय से आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया। साथ ही साथ समस्त शिक्षकधशिक्षिकाओं को भी धन्यवाद दिया।

शहर में जाम से निपटने के लिए कोतवाली नगर पुलिस चला रही अतिक्रमणकारियों के खिलाफ अभियान

अभी भी नाका सहित विभिन्न चौराहों पर जाम से लोगों को नहीं मिल रहे निजात

शहर वासियों को जाम से निजात बनाने के लिए बनाए जा रणनीति – शैलेंद्र सिंह

अयोध्या। इधर दो दिनों से कोतवाली नगर क्षेत्र के चौक क्षेत्र के विभिन्न मार्गों पर अतिक्रमण करने वाले अतिक्रमणकारियों पर कोतवाली नगर पुलिस दो दिनों से लगातार कार्यवाही करने में जुटी हैं।जिसके चलते इधर दो दिनों से चौक क्षेत्र से आने जाने वाले राहगीरों को कुछ राहत तो मिली।लेकिन शहर के कई ऐसे व्यस्ततम चौराहे जहां पर लोगों को जाम से निजात नहीं मिल पा रही है।जिसमे सबसे अति व्यस्ततम इलाका नाका चौराहे से अगर आपको गुजरना हो तो वहां पर आप घंटों जाम में फंसे रहेंगे।क्योंकि इस समय सबसे अधिक लंबा जाम और सबसे देर समय तक जाम शहर में नाका चौराहे पर ही लग रहा है।मजे की बात तो यह है कि जितने भी अधिकारी मंत्री या जनप्रतिनिधि व अन्य राहगीर हो वे सभी इधर से ही लखनऊ से गोरखपुर या प्रयागराज से होते हुए शहर की ओर या फिर गोरखपुर लखनऊ जाते हैं।परंतु इस गंभीर समस्या पर इससे संबंधित विभाग के अधिकारियों व कर्मियों का ध्यान नहीं जा रहा है।बताते चले कि इस जाम में सबसे अधिक परेशानी इधर से गुजरने वाले राहगीरों को तो हो ही रही है।इस चौराहे से एंबुलेंस में बैठे गंभीर रूप से मरीज को मौत के मुंह से बाहर निकाल कर अस्पताल आना पड़ रहा है।परंतु इस गंभीर समस्या पर ना तो ट्रैफिक व पुलिस का और न ही। परिवहन विभाग के अधिकारियों कर्मचारियों का ध्यान नही जा रहा है।शहर के नाका चौराहे के अलावा नवीन मंडी चौराहा,देवकाली बाईपास,

फतेहगंज चौराहा, मकबरा तिराहा, नाका हनुमानगढ़ी, मोदहा चौराहा,पुलिस लाइन चौराहा, सिविल लाइन चौराहा,गुदरी बाजार चौराहा, सहित कई ऐसे चौराहे हैं जहां पर जाम लगना लाजिमी हो गया है।जिसका मुख्य कारण यातायात पुलिस कर्मियों का अभाव तो है ही इसके साथ ही साथ विभिन्न चौराहो पर लगे शो पीस बने ट्रैफिक लाइटों का भी है।देखा जाए तो शहर के चिन्हित चौराहे पर पर ट्रैफिक लाइट तो लगी हुई है,लेकिन वहां पर ना तो उसका उपयोग हो रहा है ना ही वहां पर समय–समय पर ट्रैफिक सिपाही हैं।जिसके चलते इधर से गुजरने वाले वाहन अजीबो गरीब तरीके से आते जाते हैं और इन जगहों पर जाम घंटा लगा रहता है। इधर पिछले दो दिनों से प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर अश्वनी पांडे अपने दल बल के साथ देर शाम तक चौक से फतेहगंज मार्ग चौक से रिकाबगंज मार्ग चौक से गुजरी बाजार मार्ग चौक से रेड गंज मार्ग पर अतिक्रमण करने वाले अतिक्रमणकारियों पर कार्यवाही करते हुए दिखे।

क्या कहते हैं अधिकारी

इस गंभीर समस्या को मानते हुए सीओ सिटी शैलेंद्र सिंह ने बताया किस शहर में जाम की समस्या तो गंभीर है, लेकिन पुलिस द्वारा बीच–बीच में इन चौराहों पर अतिक्रमण करने वाले अतिक्रमणकारियों के खिलाफ अभियान भी चलाया जाता है।उन्होंने माना कि नाका चौराहे पर जाम की स्थिति काफी गंभीर बनी हुई है इसके लिए रणनीति बनाई जा रही है और शीघ्र ही उस चौराहे पर होने वाले जाम से लोगों को निजात मिलेगी।उन्होंने शहर के सभी दुकानदारों से कहा है कि सभी दुकानदार अपने–आप दुकानों के अंदर ही अपने सामानों को रखें तथा वाहनों को दुकान के सामने ही खड़ी करें अगर कोई भी दुकानदार या फिर दुकान पर सामान खरीदने आने वाले राहगीर अपने वाहनों को सड़कों पर खड़ी करते हैं तो पुलिस उनके साथ शक्ति से पेश आएगी।

एनएसएस नोडल अधिकारियों एवं प्रतिभागी स्वयसेवकों को प्रमाण पत्र वितरित किया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। Student Police Experiential Learning कार्यक्रम के द्वितीय चरण का शुभारंभ एवं प्रथम चरण के प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम की आख्या, पुलिस महानिदेशक, नियम एवं ग्रंथ, श्री आशीष गुप्ता ने राष्ट्रीय सेवा योजना के क्षेत्रीय निदेशालय द्वारा लखनऊ विश्वविद्यालय के ए0 पी0 सेन सभागार में आयोजित राज्यस्तरीय समारोह में SPEL कार्यक्रम के द्वितीय चरण का शुभारंभ करते हुए प्रथम चरण में शामिल एनएसएस नोडल अधिकारियों एवं प्रतिभागी स्वयंसेवकों को प्रमाण पत्र वितरित किया गया। उक्त कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के विभिन्न 65 जनपदों से आये हुए 185 एनएसएस नोडल अधिकारी एवं एनएसएस स्वयंसेवकों ने प्रतिभाग किया। भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा वर्ष 2023 में देश के सभी राज्यों और संघशासित क्षेत्रों में सम्बंधित पुलिस विभागों के सहयोग से छात्र पुलिस अनुभवात्मक अधिगम कार्यक्रम के प्रथम चरण का शुभारंभ किया गया था। SPEL कार्यक्रम के लिए राष्ट्रीय सेवा योजना मंत्रालय की नोडल एजेंसी है और नियम एवं ग्रंथ मुख्यालय उत्तर प्रदेश पुलिस की नोडल एजेंसी है। अनुभवात्मक सिखलाई की अवधारणा यह है कि यदि विधार्थी अपनी शैक्षिक संस्था के बाहर किसी व्यावसायिक संस्था में उस संस्था के विशेषज्ञों के पर्यवेक्षण में व्यावहारिक और स्वयं करके सीखने वालाप्रशिक्षण प्राप्त करते हैं, तो यह विद्यार्थियों के संज्ञानात्मक कौशलयानि कि उनकी सोचने, समझने, सीखने, तर्क करने की क्षमता, आदि में वृद्धि तो करता ही है, साथ ही साथ उनके लोक कौशल यानि लोगों से प्रभावी संवाद और संपर्क स्थापित करने की क्षमता में भी गुणात्मक सुधार करता है। विद्यार्थी समाज के साथ क्रियाशील तरीके से जुड़ते हैं और सामाजिक–आर्थिक मुद्दों की व्यावहारिक समझ बढ़ने से उनको प्राप्त होने वाली अकादमिक शिक्षा पुष्ट होती है और वास्तविक जीवन की समस्याओं का समाधान निकालने की संभावनाएं बढ़ती हैं। इस कार्यक्रम के माध्यम से स्नातक स्तर के छात्र/छात्राओं को पुलिस थाने और अन्य पुलिस प्रतिष्ठानों में तीस दिवस में 120 घण्टों की अनुभवात्मक अधिगमकरायी जायेगी। SPEL के अंतर्गत विद्यार्थियों को प्रमुख रूप से निम्नलिखित बिंदुओं पर प्रशिक्षण दिया जाएगारू

1. आपराधिक कानूनों और प्रक्रियाओं का आधारभूत ज्ञान।
2. आपराधिक अन्वेषण का आधारभूत ज्ञान।
3. यातायात प्रबंधन।
4. कानून–व्यवस्था और सामान्य पुलिसिंग सम्बन्धी आधारभूत ज्ञान।
5. नशा उन्मूलन सम्बन्धी ज्ञान।
6. अन्य कोई भी प्रशिक्षण, जो स्थानीय पुलिस अधिकारी उपयुक्त समझें।

वर्ष 2023 में SPEL कार्यक्रम के प्रथम चरण में उत्तर प्रदेश के सभी 75 जनपदों में कुल 490 थानों में यह कार्यक्रम चलाया गया था, जिनमें 2571 छात्रों द्वारा सफलतापूर्वक इस प्रशिक्षण को पूर्ण किया था। इस कार्यक्रम में जोन, रेंज, जनपद और थाने स्तर के पुलिस अधिकारियों और पुलिसकर्मियों और छै के प्रोग्राम ऑफिसर्स द्वारा बहुत मनोयोग और उत्साह से प्रतिभाग किया था। इस कार्यक्रम के संचालन और पंजीकरण के लिए उलईंतंज पोर्टल युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा विकसित किया गया है। प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के उपरांत छात्रों को पोर्टल द्वारा ऑनलाइन प्रमाणपत्र और न्ळब् द्वारा क्रेडिट मार्क्स दिए जाते हैं। तकनीकी कारणों से कुछ जनपदों में प्रथम चरण पूर्ण करने वाले छात्रों के ऑनलाइन प्रमाणपत्र निर्गत नहीं हो सके। ऐसे छात्रों को प्रमाणपत्र वितरित करने के लिए और द्वितीय चरण का शुभारंभ करने के लिए छै के क्षेत्रीय निदेशालय द्वारा उक्त कार्यक्रम लखनऊ विश्वविद्याल राष्ट्रीय सेवा योजना के सहयोग से लखनऊ विश्वविद्यालय के ए0 पी0 सेन सभागार में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की रूपरेखा एवं राष्ट्रीय सेवा योजना का परिचय देते हुए क्षेत्रीय निदेशक श्री समर दीप सक्सेना ने बताया कि छात्र पुलिस अनुभवात्मक अधिगम कार्यक्रम का उद्देश्य राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों को पुलिस प्रशासन की कार्यप्रणाली से परिचित कराना और समाज सेवा के प्रति उनकी जिम्मेदारी का बोध कराना है । यह कार्यक्रम पुलिस और समाज के बीच समन्वय स्थापित करने का एक प्रभावी माध्यम है । उन्होंने कहा कि ष्इस प्रकार के कार्यक्रम युवा स्वयंसेवकों में अनुशासन, जिम्मेदारी और समाज सेवा की भावना को प्रोत्साहित करते हैं । कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधीक्षक (आईपीएस), (पुलिस महानिदेशालय, उत्तर प्रदेश पुलिस) श्री देव रंजन वर्मा नेैच्म्स् के प्रथम चरण की सफलता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ष्इस कार्यक्रम ने पुलिस और युवाओं के बीच बेहतर समझ और समन्वय स्थापित करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है ।कार्यक्रम में राज्य एनएसएस अधिकारी डॉ. मंजू सिंह, उच्च शिक्षा विभाग उत्तर प्रदेश ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे युवाओं और पुलिस विभाग के बीच सकारात्मक सहयोग का प्रतीक बताया । डॉ. राकेश द्विवेदी– चीफ प्रॉक्टर, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ ने अपने रासेयो स्वयंसेवक, कार्यक्रम अधिकारी एवं कार्यक्रम समन्वयक के रूप में अपने अनुभव साझा किए एवं कार्यक्रम की पहल पर अपने विचार व्यक्त किए । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री आशीष गुप्ता (आईपीएस), महानिदेशक, नियम एवं ग्रन्थ (रूल्स एवं मैन्युअल), उत्तर प्रदेश पुलिस, ने अपने प्रेरणादायक संबोधन से कार्यक्रम में विशेष ऊर्जा और महत्व जोड़ा। उन्होने छै स्वयंसेवकों को अनुशासन का महत्व समझाते हुए कहा कि यह केवल जीवन को व्यवस्थित करने का माध्यम नहीं है, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण और समाज सेवा का मूल आधार है । दूसरे चरण के शुभारंभ पर पुलिस महानिरीक्षक ने छै स्वयंसेवकों को प्रेरित करते हुए कहा किैच्म्स् के पहले चरण में जो सकारात्मक प्रभाव देखा गया है, उसे अब और अधिक विस्तारित करना है । उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस प्रशासन छै के साथ मिलकर इस कार्यक्रम को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए हर संभव प्रयास करेगा । अपने वक्तव्य के अंत में, श्री आशीष गुप्ता ने विनम्रता का परिचय देते हुए कहा कि वह SPEL कार्यक्रम की सफलता का श्रेय स्वयं नहीं लेना चाहते। उन्होंने कहा, ष्यह कार्यक्रम छै स्वयंसेवकों की मेहनत और समर्पण का परिणाम है। मैं केवल एक मार्गदर्शक की भूमिका में था, जबकि वास्तविक नायक आप स्वयंसेवक हैं। कार्यक्रम मे मंच संचालन श्री राजेश कुमार तिवारी, युवा अधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना क्षेत्रीय निदेशालय, लखनऊ एवं धन्यवाद ज्ञापन एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अमरेंद्र कुमार, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ द्वारा किया गया । साथ ही कार्यक्रम मे राष्ट्रीय सेवा योजना क्षेत्रीय निदेशालय, लखनऊ के श्री शुभंकर सिंह एवं श्री अश्वनी कुमार भी उपस्थित रहे।

प्राकृतिक आपदा से निपटने के लिए एनडीआरएफ कर्मियों ने किया मॉकड्रिल

अयोध्या। बुधवार को शहर के एसएसवी इंटर कॉलेज में एनडीआरएफ ने मॉक ड्रिल कर किसी भी प्राकृतिक व अन्य आपदाओ से निपटने के वहां पर मौजूद कई विभागों के कर्मियों को महत्वपूर्ण टिप्स दिये।यह माकड्रिल एनडीआरएफ के डिप्टी कमांडेंट संतोष कुमार,एडीएम वित्त एवं फाइनेंस महेंद्र कुमार के अलावा स्वस्थ विभाग के डॉ अरविंद श्रीवास्तव के नेतृत्व में लोगों को किया गया।इस मौके पर मार्क बिल कर रहे कर्मियों ने वहां पर मौजूद सभी कर्मियों को विभिन्न आपदाओं के दौरान कैसे लोगों को सुरक्षित बचाया जाए इसके लिए विभिन्न उपाय बताएं।उन्होंने भूकंप,बाढ़,तूफान या किसी कारण से बिल्डिंग गिरने सहित कैसे लोगो की जान को किस तरह से बचाई जाए, किस तरह से लोगों को निकाला जाए, बिल्डिंग से मजदूर का रेस्क्यू कैसे किया जाये बारीकी से जानकारी दिये।

संस्थापक एवं मार्गदर्शक स्वर्गीय राधे कृष्ण गुप्ता का उनकी जन्मशती के अवसर पर भावपूर्ण स्मरण किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। भारतीय विद्या भवन गर्ल्स डिग्री कॉलेज ने दिनाँक 3 दिसंबर को अपने संस्थापक एवं मार्गदर्शक स्वर्गीय श्री राधे कृष्ण गुप्ता जी का उनकी जन्मशती के अवसर पर भावपूर्ण स्मरण किया। समारोह के सम्माननीय अतिथिगण द्वारा उनके छायाचित्र पर माल्यार्पण के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। वृत्तचित्र के प्रदर्शन के उपरांत महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ अलका निवेदन ने उनके योगदान से सम्बंधित उद्‌गार व्यक्त किये। मुख्य अतिथि प्रख्यात चिकित्सक प्रो शैली अवस्थी ने युवावस्था से सम्बंधित मुद्दों पर प्रभावशाली वक्तव्य दिया। महाविद्यालय के उपप्राचार्य डॉ सन्दीप बाजपेई के धन्यवाद ज्ञापन एवं 100 पौधों के रोपण के साथ ही कार्यक्रम का समापन हुआ।

महराजगंज पुलिस ने 16 ग्राम स्मैक समेत आरोपी तस्कर को किया गिरफ्तार

अयोध्या। महाराजगंज पुलिस ने एक युवक स्मैक की तस्करी करने जा रहे आरोपी को 16 ग्राम अवैध स्मैक के साथ गिरफ्तार किया।पुलिस के मुताबिक आरोपी युवक के खिलाफ थाने में विभिन्न धाराओं में 37 मुकदमें दर्ज हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपी युवक की गिरफ्तारी के लिए काफी समय से प्रयास किया जा रहा था।लेकिन सफलता हाथ नहीं लग पा रही थी। मुखबिर की सूचना पर पहुंची पुलिस ने क्षेत्र के नहर पुलिया के पास से स्मैक के साथ गिरफ्तार किया गया।महाराजगंज पुलिस टीम क्षेत्र में चेकिंग अभियान चला रही थी।तभी मुखबिर ने सूचना दिया कि थाना क्षेत्र के दलपतपुर रोड नहर पुलिया के पास स्मैक की बिक्री करने वाला आरोपी कहीं जाने के लिए किसी का इंतजार कर रहा है। जानकारी मिलते ही उप निरीक्षक दिनेश चन्द्र यादव, प्रशिक्षु उप निरीक्षक मोहित कुमार मिश्रा, कांस्टेबल धर्मेन्द्र सिंह यादव, शिवम शुक्ला ने क्षेत्र के दलपतपुर रोड नहर पुलिया के पास पहुंच कर घेराबंदी करते हुए युवक को पकड़कर तलाशी ली तो उसके पास से 16 ग्राम नशीला पाउडर स्मैक बरामद हुआ।जिसके बाद पुलिस टीम ने युवक को स्मैक के साथ थाने ले गई जहां विधिक कार्रवाई की गई।महाराजगंज थाना प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार सिंह ने बताया कि पकड़े गए आरोपी मुन्ना यादव पुत्र दल सिंगार यादव निवासी विसवल दलपतपुर के विरुद्ध थाने में विभिन्न धराओं में 37 मुकदमे पंजीकृत है। आरोपी इसमें समेत आने नशीले पदार्थों का क्षेत्र में काम कर रहा था।

धूमधाम से मनाया गया बी आर पी इंटर कॉलेज का वार्षिकोत्सव

पुरातन छात्रों को पत्रकारों समाजसेवी को किया गया सम्मानित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। नगर के प्रतिष्ठित कॉलेज बीआरपी इंटर कॉलेज का वार्षिकोत्सव एवं देश के प्रथम राष्ट्रपति के जन्मदिवस के अवसर पर विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी कॉलेज का वार्षिकोत्सव मंगलवार को धूमधाम से मनाया गया ।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाज सेवी ज्ञान प्रकाश सिंह रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रांतीय संरक्षक यूपी माध्यमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष रमेश सिंह रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कॉलेज की महान विभूतियां मुंशी काली प्रसाद कुलभास्कर पूर्व राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद व अन्य महान विभूतियां के चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया ।इस अवसर पर कॉलेज की छात्र–छात्राओं द्वारा विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए। छात्र–छात्राओं द्वारा प्रस्तुत किए गए सांस्कृतिक कार्यक्रम में लोगों का मन मोह लिया। इसके पूर्व मुख्य अतिथि ज्ञान प्रकाश सिंह विशिष्ट अतिथि रमेश सिंह कॉलेज के पुरातन छात्र डॉ लाल बहादुर सिद्धार्थ डॉक्टर एनके सिन्हा व डॉ विवेक कुमार श्रीवास्तव, शरस चंद्र श्रीवास्तव, डॉ. नीतीश सिन्हा डा सुभाष सिंह पूर्व प्रधानाचार्य,सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों को स्मृति चिन्ह अंग वस्त्रम देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ विवेक श्रीवास्तव ने अपने तमाम अनुभव साझा करते हुए विद्यालय को पूरा सहयोग देने की बात कही उन्होंने कहा कि इस विद्यालय से पढ़े बच्चे आज देश में जगह–जगह अपना नाम रोशन कर रहे हैं। इसी क्रम में डॉक्टर लाल बहादुर सिद्धार्थ ने कहा कि एक समय था जब बीआरपी इंटर कॉलेज में एडमिशन के लिए लोगों को सोर्स लगाना पड़ता था मैं भी इसी इंटर कॉलेज से पढ़ा हूं और आज डॉक्टर हूं बीआरपी इंटर कॉलेज का अपना एक इतिहास रहा है छात्रों से अपील करता हूं कि वह भी इसी प्रकार कॉलेज और अपने जनपद का नाम भूषण करते रहे ।इसी क्रम में मुख्य अतिथि समाजसेवी ज्ञान प्रकाश सिंह ने कहा कि उनका विद्यालय से बहुत गहरा लगाव है उन्होंने भी अपने गांव में एक कॉलेज खोला है हालांकि इस कॉलेज से पढ़ने वाला उनका दोस्त इंजीनियर है जब रिटायर हो चुका है। उन्होंने कॉलेज को आश्वस्त किया जल्दी ही वह कॉलेज को काफी संख्या में बच्चों को बैठने के लिए 150 लोहे के एंगिल का डेस्क बेंच देंगे और पुरे परिसर मे इंटरलाकिंग करवाने के साथ फिजिक्स लैब का रेनोवेशन कराएंगे ।भविष्य में कॉलेज को जो भी आवश्यकता होगी उसे पूरा करेंगे उन्होंने कहा कि कॉलेज से पढ़े बच्चे आज देश दुनिया में अपना नाम रोशन कर रहे हैं बच्चों से आग्रह किया कि बच्चे इसी तरह मन लगाकर पढ़ें और अपने माता–पिता अपने कॉलेज और जनपद का नाम रोशन करते रहे। प्रधानाचार्य डॉ.प्रमोद कुमार श्रीवास्तव ने सभी आए हुए अतिथियों का स्वागत किया। किसी कड़ी में कॉलेज के प्राध्यापक सोम वर्मा विमल श्रीवास्तव ऋषि श्रीवास्तव प्रकाश यादव अजय वर्मा संतोष श्रीवास्तव दीपक श्रीवास्तव धर्मेंद्र यादव हीरालाल ने सभी अतिथियों को बैच लगाकर स्वागत किया। इससे पूर्व कॉलेज के प्राचार्य डॉ प्रमोद कुमार श्रीवास्तव ने कॉलेज की विकास की रूपरेखा लोगों के सामने प्रस्तुत किया। कॉलेज द्वारा पुरातन छात्र को एवं पत्रकारों को जिनमें प्रमुख रूप से राजेश श्रीवास्तव दीपक श्रीवास्तव पत्रकार, विजय श्रीवास्तव अनुपम श्रीवास्तव पंकज श्रीवास्तव आदि को सम्मानित किया गया । कार्यक्रम का संचालन अध्यापक विमल श्रीवास्तव ऋषि श्रीवास्तव ने संयुक्त रूप से किया। अंत में कॉलेज के अध्यक्ष रविंद्र अस्थान व प्रबंधक हरिश्चंद्र श्रीवास्तव ने सभी आए हुए अतिथियों का आभार प्रकट करते हुए कार्यक्रम समापन की घोषणा किया। इस अवसर पर कॉलेज के समस्त शिक्षक शिक्षिकाएं छात्र–छात्राएं भारी संख्या में मौजूद रहे।उक्त जानकारी कॉलेज के मीडिया प्रभारी दीपक श्रीवास्तव द्वारा दिया गया।

महिलाओं को उनके अधिकार बताकर किया जागरूक

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। थाना गुडंबा क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय आधार खेड़ा में मिशन शक्ति अभियान फेज–5 के अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, अधिकारों और उन्हें उपलब्ध सेवाओं व साइबर फ्राड व साइबर अपराध के प्रति जागरूक किया गया। इस अवसर पर थाना गुडंबा में नियुक्त म0उ0नि0 प्रगति त्रिपाठी,म0क0 आरती, म0क0 शुभा सिंह व अन्य कर्मचारीगण द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया । कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं और छात्राओं को उनके अधिकारों के प्रति सजग करना, सुरक्षा के लिए उपलब्ध सरकारी योजनाओं और यूपी पुलिस द्वारा चलाई जा रही सेवाओं की जानकारी देना था।

इस दौरान महिला सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ साझा की गईं, जैसे कि 1090 महिला हेल्पलाइन, 112 आपातकालीन सेवा और महिला पावर लाइन जैसी सेवाओं के बारे में विस्तार से बताया गया।कार्यक्रम में बताया गया कि यूपी पुलिस द्वारा महिलाओं की सुरक्षा के लिए विभिन्न सेवाओं को क्रियाशील किया गया है, जिनमें महिला हेल्पलाइन, स्मार्ट सिटी कैमरे, और फील्ड पुलिस पेट्रोलिंग जैसे उपाय शामिल हैं। मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। उन्हें आत्मरक्षा और सरकारी योजनाओं के लाभ उठाने के तरीकों पर शिक्षित किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में महिलाओं के प्रति सम्मान, सुरक्षा और समानता को बढ़ावा देना है।

रामनगरी मे सदर विधायक व अधिकारियो ने फीता काटकर किया हॉट एयर बैलून का शुभारंभ

(डॉक्टर अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। बुधवार को अयोध्या में एडवेन्चर स्पोर्ट्स के माध्यम से पर्यटक गतिविधियां बढ़ाने एवं युवा पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए अयोध्या विकास प्राधिकरण एवं इको टूरिज्म विकास बोर्ड के संयुक्त तत्वाधान में नया घाट हैलिपैड पर हॉट एयर बैलून का शुभारंभ हुआ। इसका शुभारम्भ विधायक सदर वेद प्रकाश गुप्ता, मण्डलायुक्त अयोध्या गौरव दयाल एवं अयोध्या विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अश्विनी कुमार पाण्डेय, द्वारा फीता काटकर किया। बताते चले कि इसका संचालन हॉट एयर बैलून पुष्पक एडवेंचर्स द्वारा किया जा रहा है। इस मौके पर सदर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता व अन्य अधिकारियो ने कहा कि इस अनूठी पहल से अयोध्या को एक रोमांचक पर्यटन स्थल के रूप में स्थापित करने एवं पर्यटकों को सरयू नदी के मनोरम दृश्यों के साथ अयोध्या की ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक सुंदरता का अद्वितीय अनुभव प्रदान करेगा। इस कार्यक्रम में स्थानीय नागरिकों एवं पर्यटकों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया।यह अनूठी पहल अयोध्या को एक रोमांचक पर्यटन स्थल के रूप में स्थापित करने एवं पर्यटकों को सरयू नदी के मनोरम दृश्यों के साथ अयोध्या की ऐतिहासिक एवं आध्यात्मिक सुंदरता का अद्वितीय अनुभव प्रदान करेगा।इस कार्यक्रम में स्थानीय नागरिकों एवं पर्यटकों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया।

राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद जिला कार्यालय का हुआ उद्घाटन

मासिक बैठक सम्पन्न, सर्वसम्मति से चुने गए पदाधिकारी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र कुमार मिश्रा के निर्देशन पर राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद रजिव जौनपुर इकाई की मासिक बैठक जिला कार्यालय मुफ्ती मोहल्ला निकट हुमा कालोनी पर सम्पन्न हुई।जिसमें जिला कार्यालय का उद्घाटन जिला प्रभारी शशिकांत मौर्या ने फीता काटकर किया, साथ ही आगामी अधिवेशन पर विशेष चर्चा हुई। इस महत्वपूर्ण बैठक में सर्वसम्मति से तेजतर्रार पत्रकार रियाजुल हक को महासचिव, कलीम सिद्दीकी को संगठन मंत्री पद व जितेंद्र सिंह को बदलापुर तहसील से तहसील अध्यक्ष पर नियुक्त करते हुए सभी पदाधिकारीयों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया।बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष तामीर हसन शीबू ने कहा कि आज के युग में पत्रकारिता करना आसान नहीं है, जब भी कोई पत्रकार अपनी कलम का उपयोग सही दिशा में करते हुए गरीबों, असहाय, लोगो की आवाज उठाने का कार्य करता है तो बहुत से दबंग प्रवृत्ति के लोगों को ये रास नहीं आता है। ऐसे दबंग प्रवृत्ति के लोग अपना वर्चस्व बनाए रखने के लिए पत्रकारों का उत्पीड़न करने लगते है।इस तरह के उत्पीड़न पर अंकुश लगाने के लिए मै पत्रकारों के साथ सदैव खड़ा रहूंगा। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष संजय सिंह, इम्तियाज अहमद, इजहार हुसैन, जिला महासचिव मनीष श्रीवास्तव, अनवर हुसैन, राहुल गुप्ता, रियाजुल हक, जिला सचिव अमित तिवारी, असलम खान, जिला संगठन मंत्री कलीम सिद्दीकी, तहसील अध्यक्ष बदलापुर जितेंद्र सिंह, तहसील अध्यक्ष मड़ियाहूं रवि केशरी, आई टी सेल प्रभारी मोव अल्ताफ आदि सदस्यगण मौजूद रहे।

डीजीपी प्रशान्त कुमार, सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारीगण द्वारा दिवंगत पुलिस अधिकारी को श्रद्धांजलि अर्पित की गयी

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। पुलिस मुख्यालय, गोमतीनगर विस्तार, लखनऊ स्थित सभागार में श्री विजय शंकर (आईपीएस–1969) सेवानिवृत्त पुलिस महानिदेशक/निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, भारत सरकार के दिनांकः 02.12. 2024 को हुये निधन के परिपेक्ष्य में शोक सभा का आयोजन किया गया। श्री प्रशान्त कुमार, पुलिस महानिदेशक, उ०प्र० सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारीगण द्वारा दिवंगत पुलिस अधिकारी को श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। श्री विजय शंकर जी का जन्म 15 जुलाई, 1948 को जनपद बलिया में हुआ था। श्री विजय शंकर वर्ष 1969 बैच के 'भारतीय पुलिस सेवा' के अधिकारी रहे हैं। इमरजेन्सी कमीशन के माध्यम से वह 'भारतीय पुलिस सेवा' में चयनित होकर प्रशिक्षण के उपरान्त सहायक पुलिस अधीक्षक, जनपद वाराणसी के पद पर नियुक्त रहे। वर्ष 1976 में भारतीय पुलिस सेवा के वरिष्ठ समयमान वेतनमान में प्रोन्नत होने के उपरान्त सेनानायक 23वीं वाहिनी पीएसी मुरादाबाद, पुलिस अधीक्षक जनपद गाजियाबाद, पीलीभीत, जालौन, पुलिस अधीक्षक अभिसूचना कानपुर नगर एवं पुलिस अधीक्षक रेलवे लखनऊ के पदों पर नियुक्त रहे। जनपद जालौन में नियुक्त रहते हुये वर्ष 1982 में केन्द्रीय प्रतिनियुक्ति पर प्रस्थान कर गये। वर्ष 1988 में केन्द्रीय प्रतिनियुक्ति से वापस आने के फलस्वरूप 'पुलिस उपमहानिरीक्षक अभिसूचना लखनऊ, सीबीसीआईडी मुख्यालय लखनऊ, पीएसी सेक्टर मुरादाबाद एवं पुलिस उपमहानिरीक्षक, मुरादाबाद परिक्षेत्र के पदों पर नियुक्त रहे। वर्ष 1991 में 'पुलिस महानिरीक्षक के पद पर प्रोन्नत होकर पुनः केन्द्रीय प्रतिनियुक्ति पर प्रस्थान कर गये जहाँ पर वह पुलिस महानिरीक्षक, बीएसएफ मुख्यालय, नई दिल्ली के पद पर नियुक्त रहे। वर्ष 1998 में केन्द्रीय प्रतिनियुक्ति से वापस आकर वह अपर पुलिस महानिदेशक, पुलिस मुख्यालय इलाहाबाद, अपर पुलिस महानिदेशक, पीएसी मुख्यालय, लखनऊ के पद पर नियुक्त रहे। वर्ष 2001 में पुनः केन्द्रीय प्रतिनियुक्ति पर प्रस्थान कर गये जहाँ पर वह अपर निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, नई दिल्ली, महानिदेशक सिविल डिफेन्स, नई दिल्ली, महानिदेशक सशस्त्र सीमा बल, नई दिल्ली एवं निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, नई दिल्ली के पद पर नियुक्त रहे जहाँ से वह अधिवर्षता आयु पूर्ण कर जुलाई 2008 में सेवानिवृत्त हुये। श्री विजय शंकर जी का दिनांकः 02.12.2024 की रात्रि को दुःखद निधन हो गया। श्री विजय शंकर जी ने सेवाकाल में पूर्ण निष्ठा व लगन से कार्य सम्पादित कर पुलिस विभाग को गौरवान्वित किया। श्री विजय शंकर जी का लगभग 35 वर्षों का कार्यकाल उपलब्धियों भरा रहा है। सेवा के दौरान उन्हें स्वतन्त्रता दिवस 1989 के अवसर पर दीर्घ एवं सराहनीय सेवा के लिये पुलिस पदक एवं स्वतन्त्रता दिवस 1995 के अवसर पर विशिष्ट सेवाओं के लिये राष्ट्रपति का पुलिस पदक से सम्मानित किया गया है। केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में इनके कार्यकाल के दौरान आरुषि–हेमराज डबल मर्डर, मक्का मस्जिद ब्लास्ट एवं मालेगाँव ब्लास्ट जैसे कई संवेदनशील एवं हाई प्रोफाइल मामलों का अन्वेषण हुआ। उनकी अंतिम इच्छा के अनुसार परिजनों द्वारा उनके पार्थिव शरीर को ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES (AIIMS), नई दिल्ली को दान कर दिया गया है। श्री विजय शंकर अपनी उक्त उपलब्धियों के लिये सदैव हमारी स्मृति में बने रहेंगे ।

बदलापुर महोत्सव की तैयारी के संबंध में सल्तनत बहादुर इंटर कॉलेज में बैठक संपन्न

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। विधायक बदलापुर रमेश चंद्र मिश्रा तथा जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र और पुलिस अधीक्षक डॉ0 अजय पाल शर्मा की उपस्थिति में बदलापुर महोत्सव की तैयारी के संबंध में सल्तनत बहादुर इंटर कॉलेज में संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक संपन्न हुई। बैठक में मा0 विधायक बदलापुर द्वारा महोत्सव के दौरान कृषि विभाग, उद्यान विभाग, सीएमओ विभाग, खादी ग्रामोद्योग, बेसिक शिक्षा विभाग सहित अन्य विभागों द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित स्टॉल लगाए जाने तथा मौके पर ही लाभार्थियों का पंजीकरण कराए जाने, सांस्कृतिक कार्यक्रम के आयोजन, सामूहिक विवाह के आयोजन, योजनाओं के प्रचार–प्रसार आदि के संबंध में तथा बदलापुर महोत्सव को लेकर अब तक की गई तैयारी के संबंध में विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान बदलापुर विधायक ने कहा कि इस महोत्सव का उद्देश्य है बदलापुर के स्थानीय कलाकारों तथा नई प्रतिभाओं को मंच देना और उनकी प्रतिभा को उभारना तथा सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र और वंचित लोगों तक पहुंचाना। जिलाधिकारी ने कहा कि मा0 विधायक जी के वर्षों से जारी इस प्रयास से हमें अपनी संस्कृति को जनता तक पहुंचने में सहयोग मिल रहा है हमें अपने सभी विभागों से अपेक्षा है कि महोत्सव में सभी मनोयोग से योजनाओं की जानकारी लोगों को देंगे तथा रजिस्ट्रेशन कराते हुए उन्हें योजनाओं का लाभ देने में अपना पूरा सहयोग प्रदान करेंगे। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि इस दौरान यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित रखने, पहले से रूट चार्ट बनाने, कानून व्यवस्था, बैरिकेडिंग, पार्किंग, व्यवस्थित रखने में पुलिस प्रशासन अपना पूरा योगदान देगा। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी साई तेजा सीलम, परियोजना निदेशक, जिला विकास अधिकारी, डीसी एनआरएलएम, पर्यटन सूचना अधिकारी, प्रबन्धक सल्तनत बहादुर इंटर कॉलेज सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण, कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

बदलापुर महोत्सव में स्थानीय से लेकर देश के नामी गिरामी कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे : रमेश मिश्रा

बदलापुर महोत्सव 7,8 दिसंबर को होगा आयोजित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। बदलापुर विधानसभा के सल्तनत बहादुर इंटर कॉलेज के मैदान में आगामी 7 और 8 दिसंबर को बदलापुर महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है । इस महोत्सव में स्थानीय से लेकर देश के नामी गिरामी कलाकार अपनी प्रस्तुति देंगे । कार्यक्रम आयोजन बदलापुर के विधायक रमेश मिश्रा ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए बताया कि दो दिवसीय महोत्सव में सामूहिक विवाह कराया जाएगा, स्थानीय कलाकारों की प्रस्तुति होगी, देश के नामी गिरामी कलाकार अपना जलवा विखेरेंगे। सोनभद्र के कलाकार बारह सिंहा (कर्मा लोकनृत्य) करेंगे और पीलीभीत के कलाकार थारू लोक नृत्य प्रस्तुत करेंगे वही उज्जैन के (बीएसएफ) द्वारा तोप का प्रदर्शन किया जाएगा। विधायक रमेश मिश्रा ने कहा कि बदलापुर विधानसभा क्षेत्र के चतुर्दिक विकास ,सांस्कृतिक चेतना एवं आपसी भाईचारे का प्रतीक बदलापुर महोत्सव इस वर्ष भी होने जा रहा है । यह महोत्सव 7 दिसंबर से शुरू होकर 8 दिसंबर को समाप्त होगा ।जिसमें पहले दिन सामूहिक विवाह का आयोजन होगा । शाम 5रू00 बजे से रात 10रू00 बजे तक स्थानीय कलाकार और देश के गिरामी कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों को पेश किया जाएगा। इस कार्यक्रम में प्रदेश के डिप्टी सीएम से लेकर कई मंत्री शिरकत करेंगे । कार्यक्रम के दूसरे दिन देश के प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा प्रस्तुति दी जाएगी ,थारू लोकनृत्य पीलीभीत के कलाकार द्वारा प्रस्तुत किया जाएगा ,पीहू नृत्य असम के कलाकार प्रस्तुत करेंगे ,अयोध्या के कलाकार फरवाही लोकगीत के माध्यम से अपना जलवा दिखाएंगे। इसके अलावा उड़ीसा के कलाकार अपनी कला के माध्यम से शमा बाँधेंगे । उज्जैन के कलाकार तोप प्रदर्शन करेंगे, सोनभद्र के कलाकार बारह सिंहा नृत्य करेंगे इसके अलावा प्राथमिक स्कूल के बच्चों द्वारा पेंटिंग ,रंगोली समेत कई प्रतियोगिता में भाग लेंगे। विधायक ने बताया कि इस मौके पर कई परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण भी किया जायेगा।

रोड कटिंग के सम्बन्ध में कलेक्ट्रेट, सभागार में समीक्षा बैठक सम्पन्न

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में एवं मुख्य विकास अधिकारी साई तेजा सीलम की उपस्थिति में–जौनपुर के रोड कटिंग के सम्बन्ध में कलेक्ट्रेट, सभागार में समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में विभिन्न कार्यदायी संस्थाओं द्वारा मार्गों की कटिंग कर उनका रेस्टोरेशन नहीं किया जा रहा है, इस संबंध में जिलाधिकारी द्वारा जानकारी लेते हुए विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (नगरीय/ग्रामीण) को निर्देशित किया है कि सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर शीघ्र ही मार्गों को रि–स्टोर करें।

जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि आदेशों के उल्लंघन की दशा में संबंधित के विरुद्ध वित्तीय उत्तरदायित्व निर्धारित करते हुए वसूली की जाएगी। बैठक में अधिशासी अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग द्वारा जल निगम के अधिशासी अभियन्ता एवं उनके ठेकेदारों को मार्गों की कटिंग की सूची उपलब्ध करायी गयी। जिलाधिकारी द्वारा समस्त विभागों के अभियन्ताओं एवं कार्यदायी संस्था को उक्त बैठक के संबंध में पुनः आयोजित बैठक में प्रतिभाग करने हेतु निर्देशित किया गया। बैठक में लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियन्ता, सहायक अभियन्ता एवं अवर अभियन्ता, अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (नगरीय/ग्रामीण), राष्ट्रीय राज्यमार्ग के अधिशासी अभियन्ता, नगर निकाय के अधिशासी अधिकारी, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग, जिला पंचायत, मण्डी परिषद, सिंचाई विभाग के अवर अभियन्ता एवं सहायक अभियन्ता सहित अन्य उपस्थित रहे।

बच्चों ने सीखे दांत के रोगों से बचने के उपाय

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)

कोलगेट ब्राइट स्माइल्स, ब्राइट फ्यूचर्स कार्यक्रम के तहत श्री डाल सिंह मेमोरियल स्कूल में हेल्थ प्रोग्राम का आयोजन किया गया इस अवसर पर कोलगेट की ओर से प्रतिनिधि की रूम में आए ताड़ासन सिंह ने बच्चों को हेल्थ संबंधित तमाम टिप्स देते हुए मुंह में दातों की देखभाल रखने की जानकारी देते हुए बताया की सभी को अपने मुंह की अच्छी सी देखभाल करनी चाहिए। उन्होंने बच्चों को बताया कि प्रतिदिन सुबह कुछ भी खाने से पहले तथा रात में खाने के बाद ब्रश करने से दांतों को बीमारियों से बचाया जा सकता है। उन्होंने टूथपेस्ट के साथ ब्रश करने की तकनीकी विधि भी बताई । उन्होंने सभी बच्चों से नशीले पदार्थों से बचने की अपील करते हुए अच्छा भोजन तथा हरी सब्जियां अधिक खाने की अपील की इसके अलावा मार्केट की तलीभुनी वस्तुएं न खाने की भी अपील की। इस मौके पर विद्यालय के सभी बच्चों को कोलगेट टूथपेस्ट का भी वितरण किया गया।

जनपद जौनपुर में 'परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2024' सफलतापूर्वक संपन्न

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । भारत सरकार द्वारा आयोजित परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2024 का आयोजन आज पूरे जनपद में सफलता पूर्वक संपन्न हुआ जिसमें कुल 125 विद्यालयों को सर्वे का केंद्र बनाया गया था तथा 133 ग्रेड की परीक्षा संपन्न कराई गई जिसमें ग्रेड 3 के 42 केंद्र, ग्रेड 6 के 39 केंद्र तथा ग्रेड 9 के 52 केंद्र बनाए गए थे स फील्ड इन्वेस्टिगेटर का कार्य डायट के प्रशिक्षुओं द्वारा किया गया स सर्वेक्षण में डीएलसी उप शिक्षा निदेशकध्प्राचार्य जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान जौनपुर डॉ. विनोद कुमार शर्मा तथा एस सी ई आर टी ऑब्जर्वर आनन्दकर पाण्डेय द्वारा केन्द्रों का सघन निरीक्षण किया गया स ए डी एल सी प्रवक्ता डायट धर्मेन्द्र कुमार शर्मा तथा वरुण कुमार को बनाया गया था स जिला विद्यालय निरीक्षक राकेश कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. गोरखनाथ पटेल तथा डायट के समस्त प्रवक्ता द्वारा सर्वेक्षण में अतुलनीय सहयोग प्रदान किया गया ।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।